लखनऊ

रविवार 1 मार्च, 2026

वर्ष : 11 । अंक: 190

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

"वक्त भले धीमा चले, लेकिन उसका फैसला हमेशा मजबूत और बिल्कुल सही होता है।"

TODAY WEATHER

DAY 20° Hi

NIGHT 10° Low

संक्षेप

एआई समिट प्रदर्शन के मामले में यूथ कांग्रेस अध्यक्ष को बड़ी राहत, हाईकोर्ट से मिली जमानत

नई दिल्ली। यूथ कांग्रेस के अध्यक्ष उदय भानु चिब को बड़ी राहत मिली है। एआई समिट के दौरान विरोध प्रदर्शन मामले में देर रात पटियाला हाउस कोर्ट ने उन्हें सशर्त जमानत दी। दिल्ली पुलिस ने उदय भानु चिब को रात में पटियाला हाउस कोर्ट के ड्यूटी मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया। ड्यूटी मजिस्ट्रेट ने उदय भानु चिब को 50 हजार रुपए के निजी मुचलके पर जमानत दे दी। दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच ने देर रात कोर्ट में उदय भानु चिब की पुलिस कस्टडी रिमांड को 7 दिन बढ़ाने की मांग करते हुए अर्जी दायर की। साथ ही मामले के दो अन्य आरोपियों की रिमांड के लिए भी अलग-अलग याचिकाएं दाखिल की गईं। कोर्ट ने उदय भानु चिब की रिमांड बढ़ाने की दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच की अपील को खारिज कर दिया। हालांकि, यूथ कांग्रेस अध्यक्ष की ओर से याचिका दाखिल किए जाने के बाद ड्यूटी मजिस्ट्रेट ने उदय भानु चिब को जमानत दे दी। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि क्राइम ब्रांच रिमांड बढ़ाने की जरूरत के पर्याप्त कारण नहीं बता पाई। कोर्ट ने जमानत देते हुए उदय भानु चिब को पासपोर्ट कोर्ट में जमा करवाने का आदेश दिया है। इसके साथ ही, इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स कोर्ट के सामने सरेंडर करने का भी आदेश दिया गया। यूथ कांग्रेस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स पर पोस्ट किया, सत्यमेव जयते। उदय भानु चिब को जमानत मिली। आधी रात में जब देश सो रहा था, न्याय पालिका दिल्ली क्राइम ब्रांच की हर साजिश को नाकाम कर रही थी।

भारत के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की पुण्यतिथि पर सी.पी. राधाकृष्णन ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की पुण्यतिथि पर आज उन्हें देशभर में उन्हें याद किया जा रहा है। इस अवसर पर भारत के वर्तमान उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने भी उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। शनिवार को उपराष्ट्रपति भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने डॉ. राजेंद्र प्रसाद की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए और उनके योगदान को नमन किया। उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन का कहना है कि डॉ. राजेंद्र प्रसाद सिर्फ एक राजनेता नहीं थे, बल्कि वे एक महान स्वतंत्रता सेनानी, विद्वान और दूरदर्शी नेता थे। उन्होंने भारत की आजादी की लड़ाई में सक्रिय भूमिका निभाई और देश को एक मजबूत लोकतांत्रिक ढांचे की ओर आगे बढ़ाने में अहम योगदान दिया। उनका मानना है कि जब देश आजाद हुआ और संविधान लागू हुआ, तब पहले राष्ट्रपति के रूप में डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने जिस गरिमा और सादगी के साथ पद संभाला, वह आज भी एक मिसाल है। उनका कहना है कि डॉ. राजेंद्र प्रसाद का जीवन सादगी और समर्पण का प्रतीक था। वे आम लोगों की भावनाओं को समझते थे और देश की एकता व अखंडता को सबसे ऊपर रखते थे। उनका व्यक्तित्व इतना सहज और प्रेरणादायक था कि आज भी लोग उन्हें सम्मान के साथ याद करते हैं। उपराष्ट्रपति ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर कार्यक्रम की तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा कि आज उपराष्ट्रपति भवन में भारत रत्न राजेंद्र प्रसाद को उनकी पुण्यतिथि पर पुष्पांजलि अर्पित की।

'कांग्रेस के कुकर्मों को देश कभी माफ नहीं करेगा: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

अजमेर, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को अजेमर में जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान पीएम मोदी को जमकर आड़े हाथों लिया। दिल्ली के AI समिट में कांग्रेसे की ओर से कपड़े उतारने की घटना से पीएम मोदी हमला शुरू किया और रक्षा डील, वन रैंक वन पेंशन से लेकर सर्जिकल स्ट्राइक पर उठाए गए सवालों का जिक्र करते हुए राहुल गांधी की पार्टी को खूब सुनाया। आइए पीएम मोदी की ओर से कांग्रेस पर किए गए टॉप 10 हमलों को जानते हैं।

अजमेर की जनसभा में पीएम मोदी ने कहा- 'मैं राजस्थान की धरा पर आप लोगों से एक और बात कहने आया हूं। साथियों हाल ही में दिल्ली में दुनिया का सबसे बड़ा AI (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) सम्मेलन हुआ। इसमें दुनिया के अनेक देशों के प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, मंत्री उस कार्यक्रम में आए थे। दुनिया की बड़ी-बड़ी कंपनियां, उनके कर्ता-धर्ता, वो सभी एक छत के नीचे जुटे थे। सबने खुले मंच से भारत की प्रशंसा की। मैं जरा राजस्थान के भाई-बहनों से पूछना चाहता हूं। दुनिया के इतने सारे लोग भारत की प्रशंसा करते हैं ये सुनकर आपको गर्व होता है या नहीं, आपको अभिमान होता है या नहीं, आपका माथा ऊंचा हुआ या नहीं हुआ। आपका सीना चौड़ा हुआ कि नहीं हुआ। साथियों आपको गर्व हुआ, लेकिन हताशा, निराशा में डूबी, लगातार पराजय के चलते थक चुकी कांग्रेस ने क्या किया, ये आपने देखा है। दुनियाभर के मेहमानों के सामने कांग्रेस ने देश को बदनाम करने की कोशिश की। इन्होंने विदेशी मेहमानों के सामने देश को बेइज्जत करने के लिए पूरा ड्रामा किया।'

पीएम मोदी ने आगे कहा कि कांग्रेस पूरे देश में लगातार हार रही है। गुस्से में इसका बदला भारत को बदनाम करके ले रही है। कभी कांग्रेसINC यानी इंडियन नेशनल कांग्रेस थी, अब INC नहीं बची है। आज वो INC के बजाय MMC बन गई है। यानी मुस्लिम लीग माओवादी कांग्रेस। राजस्थान के मेरे वीरों इतिहास गवाह है। मुस्लिम लीग भारत से नफरत करती थी। इसलिए मुस्लिम लीग ने देश बांट दिया। आज कांग्रेस भी वही कर रही है। माओवादी भी भारत की समृद्धि, हमारे संविधान और हमारे सफल लोकतंत्र से नफरत करते हैं। यह घात लगाकर हमला करते हैं। कांग्रेस भी घात लगाकर देश को बदनाम करने के लिए कहीं भी घुस जाती है। कांग्रेस के ऐसे कुकर्मों को देश कभी माफ नहीं करेगा।

पीएम मोदी ने आगे कहा कि साथियों देश को बदनाम करना, देश की सेनाओं को कमजोर करना ये कांग्रेस की पुरानी आदत रही है। आप याद कीजिए यही कांग्रेस है। जिसने हमारी सेना के जवानों को हथियारों और वर्दी तक के लिए तरसा कर रखा था। यह वही कांग्रेस है जिसने सालों तक हमारे सैनिक परिवारों को वन रैंक वन पेंशन से वंचित रखा था। यह वही कांग्रेस है जिसके जमाने में विदेशों से होने वाले रक्षा सौदों में बड़े-बड़े घोटाले होते थे।

अजमेर में पीएम मोदी ने कहा कि साथियों बीते 11 वर्षों में भारत की सेना ने हर मोर्चे पर आतंकियों पर देश के दुश्मनों पर करारा प्रहार किया। हमारी सेना हर मिशन हर मोर्चे में विजय रही। सर्जिकल स्ट्राइक से लेकर ऑपरेशन सिंदूर तक वीरता का लोहा मनवाया। लेकिन कांग्रेस के नेताओं ने इसमें भी दुश्मनों के झूठ को ही आगे बढ़ाया। देश के लिए जो भी शुभ है, जो भी अच्छा है, जो भी देशवासियों का भला करने वाला है, कांग्रेस उस सबका विरोध करती है। इसलिए देश आज कांग्रेस को सबक सिखा रहा है।

पीएम ने आगे कहा कि साथियों राजस्थान में तो आपने कांग्रेस के कुशासन को करीब से अनुभव किया है। यहां जितने दिन कांग्रेस की सरकार रही वह भ्रष्टाचार करने और आपसी लड़ाई झगड़े में ही उलझी रही। कांग्रेस ने हमारे किसानों को भी हमेशा धोखा दिया। आप याद कीजिए कांग्रेस ने दशकों तक सिंचाई की परियोजनाओं को कैसे लटकाए रखा। इसका राजस्थान के किसानों को बहुत अधिक नुकसान हुआ है। ईआरसीपी परियोजना को कांग्रेस की सरकारों ने केवल फाइलों और घोषणाओं में उलझा कर रखा। हमारी सरकार ने आते ही इस स्कीम को फाइलों से निकालकर धरातल पर उतारने का प्रयास किया है। साथियों हमारी सरकार ने नदियों को जोड़ने का अभियान शुरू किया है। उसका बहुत अधिक फायदा राजस्थान को मिलना तय है। संशोधित पार्वती काली सिंह चंबल लिंग परियोजना हो यमुना राजस्थान लिंग प्रोजेक्ट हो डबल इंजन सरकार ऐसी अनेक सिंचाई परियोजनाओं का लाभ किसानों तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। आज भी

राजस्थान में पीएम मोदी का मेगा ऐलान: 'वादे तेजी से पूरे हो रहे', 17 हजार करोड़ के प्रोजेक्ट की सौगात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को अजमेर में 16,680 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का शुभारंभ, उद्घाटन और शिलान्यास किया। इससे शहरी विकास, पेयजल आपूर्ति, सड़कें, सिंचाई, ऊर्जा और औद्योगिक अवसंरचना सहित प्रमुख क्षेत्रों को और बढ़ावा मिलेगा। कार्यक्रम के बाद एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि राजस्थान में भाजपा की दो इंजन वाली सरकार ने दो साल पूरे कर लिए हैं और राज्य अब विकास के एक नए पथ पर अग्रसर है। मोदी ने कहा कि विकास के जिन वादों के साथ भाजपा सरकार आपकी सेवा करने आई थी, उन्हें तेजी से पूरा किया जा रहा है। और आज का दिन विकास के इस अभियान को और गति देने का दिन है। इस अवसर के महत्व को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि कुछ ही समय पहले राजस्थान में भाजपा की दो इंजन वाली सरकार ने 2 साल पूरे किए हैं। मुझे खुशी है कि आज राजस्थान विकास के एक नए पथ पर अग्रसर है। कार्यक्रम के शुभारंभ पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज यहां राजस्थान के विकास से संबंधित लगभग 17,000 करोड़ रुपये की परियोजनाओं की आधारशिला रखी गई और उनका उद्घाटन किया गया। सड़क, बिजली, पानी, स्वास्थ्य और शिक्षा – हर क्षेत्र में नई ऊर्जा का संचार हो रहा है। इन सभी परियोजनाओं से राजस्थान के लोगों की सुविधा बढ़ेगी और राजस्थान के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे।

'देश से नफरत करने वालों की राह पर कांग्रेस'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को विपक्षी कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए भारत के विभाजन से जुड़ी ऐतिहासिक घटनाओं का जिक्र किया और आरोप लगाया कि कुछ राजनीतिक ताकतों का देश को कमजोर करने का इतिहास रहा है। अजमेर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने रक्षा तैयारियों को लेकर भी विपक्ष पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकारों के दौरान सशस्त्र बलों को संसाधनों की कमी का सामना करना पड़ा। मोदी ने कहा कि यह वही कांग्रेस थी जिसने हमारे सैनिकों को हथियारों और वर्दी के लिए भी इंतजार करवाया। सैनिकों के परिवारों को 'एक रैंक एक पेंशन' से वंचित रखा गया। उनके कार्यकाल में विदेशी देशों के साथ रक्षा सौदों में बड़े पैमाने पर घोटाले हुए। प्रधानमंत्री ने कहा कि अखिल भारतीय मुस्लिम लीग "भारत से नफरत करती थी" और देश के विभाजन के लिए जिम्मेदार थी। तुलना करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस भी उसी राह पर चल रही है। उन्होंने कांग्रेस पर देश को बदनाम करने और राष्ट्रीय संस्थाओं को कमजोर करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि माओवादी भारत की समृद्धि, संविधान और लोकतंत्र से नफरत करते हैं। इसी तरह, कांग्रेस देश को बदनाम करने का मौका ढूंढती है और इसके लिए हर जगह घुसपैठ करती है। देश ऐसे कुकर्मों को कभी माफ नहीं करेगा। 2014 से शुरू की गई पहलों पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उनकी सरकार के सत्ता में आने से पहले, शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाओं की उपेक्षा की जाती थी। उन्होंने कहा कि हमने 2014 से पहले का वह दौर देखा जब शौचालयों की कमी के कारण हमारी बहनों और बेटियों को अपमान सहना पड़ता था।

'हमेशा सरकार की बुराई नहीं करनी चाहिए', असदुद्दीन ओवैसी के बयान पर किरेन रिजिजू का पलटवार

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (AIMIM) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी के बयान पर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने पलटवार किया है। किरेन रिजिजू ने कहा है कि राजनीति हो रही है, लेकिन हमेशा सरकार की बुराई नहीं करनी चाहिए। पीएम मोदी को गाली नहीं देनी चाहिए।

AIMIM चीफ ओवैसी ने क्या कहा था?

बता दें कि AIMIM चीफ ओवैसी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इजरायल यात्रा पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा था कि पीएम मोदी का इजरायल के लिए प्यार उनकी विचारधारा से जुड़ा हुआ है। ओवैसी ने हैदराबाद में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा था कि पीएम मोदी को इजरायल में दिए अपने भाषण में इजरायली आतंकवाद के बारे में बोलना चाहिए था। खुद का उदाहरण देते हुए ओवैसी ने कहा था कि उनकी पार्टी AIMIM ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर होने वाले अत्याचार के खिलाफ हमेशा बोला है।

इजरायली संसद नेसेट को किया था संबोधित

दरअसल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिन के इजरायल दौरे पर 25 फरवरी को पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने इजरायली की संसद नेसेट को भी संबोधित किया था। इतना ही नहीं वहां पीएम मोदी को संसद का सर्वोच्च सम्मान 'स्पीकर ऑफ द नेसेट मेडल' से सम्मानित किया गया था। इसके साथ ही पीएम मोदी के नाम एक और रिकॉर्ड जुड़ गया था। वह इजरायली संसद को संबोधित करने वाले पहले प्रधानमंत्री बन गए।

राहुल गांधी ने निर्मला सीतारमण को लिखा पत्र, ईसीएचएस फंडिंग बढ़ाने और दिव्यांगता पेंशन पर टैक्स हटाने की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को एक पत्र लिखकर भूतपूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना (ईसीएचएस) के लिए फंडिंग और दिव्यांगता पेंशन पर इनकम टैक्स को वापस लेने की मांग की है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि भूतपूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना (ईसीएचएस) सर्वोत्तम स्वास्थ्य सेवाएं देने के लिए बनाई गई। आज यह फंड की भारी कमी से जूझ रही है। 12,000 करोड़ से अधिक के मेडिकल बिल पेंडिंग हैं। बजट आवंटन जरूरत से लगभग 30 प्रतिशत कम है और पेमेंट न होने की वजह से अस्पताल इससे बाहर हो रहे हैं। पूर्व सैनिकों को अपनी जेब से पैसे देने पड़ रहे हैं या कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के इलाज में भी देरी हो रही है। जिन्होंने देश की सेवा की, वे जरूरत के समय में खुद को उपेक्षित महसूस कर रहे हैं।

उन्होंने अपने पत्र में लिखा, वित्त विधेयक 2026 में सैनिक के सर्विस में बने रहने पर दिव्यांगता पेंशन पर टैक्स लगाने का प्रस्ताव है। 1922 के बाद यह पहली बार है, जब दिव्यांगता पेंशन पर टैक्स लगाया जा रहा है। दिव्यांगता पेंशन का मकसद उन सैनिकों को राहत देना है, जिन्हें चोटें लगी हैं और इसे इनकम नहीं समझना चाहिए। इसके अलावा, जब कोई दिव्यांग सैनिक सर्विस में बने रहने का फैसला करता है या उससे रिक्वेस्ट की जाती है, तो वह चोटों के बावजूद बिना किसी स्वार्थ के भारत की सेवा कर रहा होता है। जिस चीज की तारीफ होनी चाहिए, उस पर टैक्स लगाना बेइज्जती है। राहुल गांधी ने पत्र में लिखा, मैं जिन पूर्व सैनिकों से मिला, उनके एक प्रतिनिधिमंडल ने इन मुद्दों की ओर मेरा ध्यान दिलाया। अपनी ही सरकार की ओर से उन्हें निराश किए जाने की उनकी भावनाओं को सुनना दुखद था। निर्मला सीतारमण को लिखे पत्र में कांग्रेस सांसद ने कहा कि मुझे यकीन है कि आप इस बात से सहमत होंगी कि हमारे भाई-बहन जो सशस्त्र बलों में सेवा करते हैं, वे एक देश से हर तरह की मदद के हकदार हैं।

राहुल गांधी ने निर्मला सीतारमण को लिखा पत्र, ईसीएचएस फंडिंग बढ़ाने और दिव्यांगता पेंशन पर टैक्स हटाने की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को एक पत्र लिखकर भूतपूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना (ईसीएचएस) के लिए फंडिंग और दिव्यांगता पेंशन पर इनकम टैक्स को वापस लेने की मांग की है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि भूतपूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना (ईसीएचएस) सर्वोत्तम स्वास्थ्य सेवाएं देने के लिए बनाई गई। आज यह फंड की भारी कमी से जूझ रही है। 12,000 करोड़ से अधिक के मेडिकल बिल पेंडिंग हैं। बजट आवंटन जरूरत से लगभग 30 प्रतिशत कम है और पेमेंट न होने की वजह से अस्पताल इससे बाहर हो रहे हैं। पूर्व सैनिकों को अपनी जेब से पैसे देने पड़ रहे हैं या कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के इलाज में भी देरी हो रही है।

चुनाव से पहले ममता का महिला सुरक्षा पर जोर, कोलकाता में पिंक बूथ और शाइनिंग पेट्रोलिंग टीमों का एलान

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आगामी चुनाव से पहले महिलाओं की सुरक्षा मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने कोलकाता पुलिस की दो नई पहलों की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि शहर के प्रमुख चौराहों पर ऑल-वुमन पिंक बूथ स्थापित किए जाएंगे, जो शाम से लेकर आधी रात तक संचालित रहेंगे। इन बूथों पर तैनात महिला पुलिसकर्मी सीधे तौर पर महिलाओं की सहायता और शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई कर सकेंगी। उन्होंने कहा कि इन पिंक बूथों के जरिए शहर की महिलाएं जरूरत पड़ने पर सीधे महिला अधिकारियों से संपर्क कर सकेंगी, जिससे सुरक्षा के प्रति भरोसा और बढ़ेगा।

शाइनिंग मोबाइल पेट्रोलिंग टीम क्या करेगी?

इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने 'शाइनिंग' नाम से ऑल-वुमन मोबाइल पेट्रोलिंग टीमों की तैनाती की भी घोषणा की। ये टीमें रात 8 बजे से सुबह 2 बजे तक ईएम बाइपास और शहर की अन्य प्रमुख सड़कों पर गश्त करेंगी, जिनका इस्तेमाल बड़ी संख्या में कामकाजी महिलाएं रात के समय करती हैं। ममता बनर्जी ने कहा कि कोलकाता वर्षों से देश का सबसे सुरक्षित शहर बना हुआ है और ये दो नई पहल महिलाओं की सुरक्षा व्यवस्था को और सशक्त बनाने में अहम भूमिका निभाएंगी। कोलकाता पुलिस के अधिकारियों द्वारा इन पहलों की तैनाती, संचालन और रणनीति से जुड़े विस्तृत दिशा-निर्देश जल्द साझा किए जाने की उम्मीद है।

असम में भाजपा का चुनावी शंखनाद, मुख्यमंत्री हिमंता ने 'जन आशीर्वाद यात्रा' से मांगा जनता का साथ

नई दिल्ली, एजेंसी। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने शनिवार को आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों के मद्देनजर सोनितपुर जिले के ढेकियाजुली निर्वाचन क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी की 'जन आशीर्वाद यात्रा' का आधिकारिक रूप से शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने यात्रा के पहले चरण का शुभारंभ करते हुए पार्टी के भावी प्रयासों के लिए जनता से समर्थन मांगा। मीडिया से बात करते हुए मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि भाजपा की जन आशीर्वाद यात्रा आज से शुरू हो रही है। मैं असम की जनता का आशीर्वाद चाहता हूं।

इस बीच, असम भाजपा ने आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों के मद्देनजर शनिवार को राज्य भर में 'जन आशीर्वाद यात्रा' का शुभारंभ किया।

यात्रा का पहला चरण 28 फरवरी से 9 मार्च तक चलेगा। इस अवसर पर बोलते हुए भाजपा सांसद प्रधान बरुआ ने कहा कि जन आशीर्वाद यात्रा आज से शुरू हो रही है। इस कार्यक्रम में हमारे मुख्यमंत्री के साथ-साथ राष्ट्रीय नेता और राज्य समिति के सदस्य भी उपस्थित रहेंगे। इस यात्रा का उद्देश्य हमारे मुख्यमंत्री का आम जनता तक पहुंचना, उनसे मिलना और उनका आशीर्वाद प्राप्त करना है। इसके माध्यम से लोगों को पिछले 10 वर्षों में हमारे द्वारा किए गए कार्यों, विशेष रूप से पिछले 5 वर्षों में हमारे मुख्यमंत्री द्वारा किए गए कार्यों की जानकारी मिलेगी। हमारी पार्टी इस यात्रा को सफल बनाने के लिए प्रयासरत है।

एक प्रतिभागी ने कहा कि जन आशीर्वाद यात्रा आज से शुरू हो रही है। हम यात्रा की अपार सफलता की कामना करते हैं, क्योंकि इसका उद्देश्य असम की जनता से जुड़ना और उनका आशीर्वाद और समर्थन प्राप्त करना है। यात्रा गुप्तेश्वर मंदिर से शुरू हुई, जिसका उद्देश्य प्रतिदिन एक लाख लोगों से जुड़ना है। पार्टी ने कार्यक्रम के आठ दिवसीय प्रारंभिक चरण की घोषणा पहले ही कर दी है, जो 9 मार्च तक चलेगा।

राज्य भाजपा के अनुसार, इस यात्रा के माध्यम से केंद्र और राज्य सरकारों की विकास एवं कल्याणकारी योजनाओं को जनता तक पहुंचाया जाएगा, साथ ही आगामी विधानसभा चुनावों के लिए असम के नागरिकों का आशीर्वाद भी प्राप्त किया जाएगा। इससे पहले शुक्रवार को मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने विधानसभा चुनाव प्रचार के लिए भाजपा के चुनावी गीतों का शुभारंभ किया।

पीएम किसान सम्मान निधि: क्या होली से पहले 9 करोड़ किसानों के खाते में आएगी 22वीं किस्त? ये है अपडेट

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के नौ करोड़ से अधिक किसानों की निगाहें एक बार फिर केंद्र सरकार की तरफ टिक गई हैं। पिछली बार 19 नवंबर 2025 को किसानों के बैंक खातों में पीएम किसान सम्मान निधि की राशि पहुंची थी। तब से लेकर आज तक अन्नदाता अपनी अगली आर्थिक मदद की राह देख रहे हैं। आज 28 फरवरी को महीने का आखिरी दिन है, लेकिन योजना की 22वीं किस्त का पैसा अब तक किसानों के खातों में नहीं पहुंचा है। कई किसानों को यह उम्मीद थी कि शायद फरवरी के आखिरी दिन उन्हें यह राहत राशि मिल जाए। मगर आज महीने का चौथा शनिवार होने के कारण देशभर के सभी बैंक बंद हैं। पीएम किसान योजना का पैसा डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से सीधे किसानों के बैंक खातों में भेजा जाता है।

प्रधानमंत्री का इजराइल दौरा शर्मनाक था, क्या वह युद्ध समर्थन करते हैं : कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने ईरान पर अमेरिका और इजराइल के हमले के बाद शनिवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले दिनों युद्ध के हालात के बावजूद इजराइल का 'शर्मनाक दौरा' किया। मुख्य विपक्षी दल ने यह सवाल भी किया कि प्रधानमंत्री मोदी ने अपने इजराइल दौर का उपयोग तनाव कम करने के लिए क्यों नहीं किया या फिर वह इस युद्ध का समर्थन करते हैं? कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'प्रधानमंत्री मोदी के इजराइल दौरे की खुशी मनाने के दो दिन बाद ही इजराइल और अमेरिका ने ईरान के खिलाफ अपना संयुक्त हमला शुरू कर दिया है। पिछले कुछ महीनों में उनके सैन्य जमावड़े को देखते हुए यह पूरी तरह अपेक्षित था।' उन्होंने कहा कि इसके बावजूद प्रधानमंत्री मोदी ने इजराइल जाने का निर्णय लिया, जहां उन्होंने उच्चतम स्तर की 'नैतिक कायरता' का प्रदर्शन किया। कांग्रेस नेता ने कहा, 'प्रधानमंत्री ने घोषणा की कि भारत इजराइल के साथ खड़ा है और ऐसा कहने पर स्वयं को एक पुरस्कार भी दिलवा लिया।' रमेश ने दावा किया कि यह इजराइल दौरा शर्मनाक था और अब तो यह और भी अधिक शर्मनाक प्रतीत होता है, क्योंकि युद्ध उन्हीं दो नेताओं द्वारा शुरू किया गया है जिन्हें प्रधानमंत्री मोदी अपना अच्छा मित्र बताते रहे हैं।

पंचायत चुनाव समय पर ही कराए जाएंगे : ओमप्रकाश राजभर

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। जिला समन्वय समिति की बैठक में शामिल होने पहुंचे ओम प्रकाश राजभर ने दिल्ली शराब घोटाले में आए कोर्ट के फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सीबीआई, ईडी और अन्य स्वतंत्र एजेंसियों को यदि शिकायत मिलती है तो वे जांच करती हैं। इसमें सरकार का कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा कि एजेंसी ही मुकदमा दर्ज करती है, एजेंसी ही जांच करती है और यदि सबूत नहीं मिल पाते तो यह एजेंसी की जिम्मेदारी है, सरकार की नहीं। ऐसे मामलों में संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए और वे इसके पक्षधर हैं। शराब घोटाले के फैसले पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा दिए गए नैतिक मृत्युदंड वाले बयान पर राजभर ने पलटवार करते हुए कहा कि सत्ता से बाहर होने पर लोग इस तरह के बयान देते हैं। उन्होंने 1990 के शंकराचार्य प्रकरण का जिक्र करते हुए कहा कि उस समय लाठीचार्ज किसकी सरकार में हुआ था। सत्ता में रहने वाला व्यक्ति संविधान की शपथ लेकर कार्य करता है और उसी के अनुसार कार्रवाई होती है। शंकराचार्य प्रकरण से सनातन धर्म को नुकसान होने के सवाल पर उन्होंने कहा कि इससे सनातन को कोई नुकसान नहीं हो रहा है। उन्होंने कहा कि सपा सरकार में भी शंकराचार्य के खिलाफ केस दर्ज हुआ था और लाठीचार्ज हुआ था। धर्मगुरुओं का कार्य अपने धर्म का प्रचार-प्रसार करना और लोगों को उससे जोड़ना है, न कि मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री के खिलाफ बयानबाजी करना। पंचायत चुनाव को लेकर फैली भ्रम की स्थिति पर उन्होंने स्पष्ट किया कि मतपत्र छपकर जिलों में भेजे जा चुके हैं। 15 अप्रैल को मतदाता सूची का प्रकाशन होगा। एसआईआर की प्रक्रिया चल रही है, अधिकारी उसी में व्यस्त हैं। साथ ही परीक्षाएं और जनगणना का कार्य भी सामने है, जिससे लोगों में भ्रम की स्थिति बनी हुई है। हालांकि उन्होंने भरोसा दिलाया कि पंचायत चुनाव समय पर ही कराए जाएंगे।

ग्रेटर नोएडा में दर्दनाक हादसा: नहर में नारियल पकड़ने कूदा भाई, पीछे से आया मासूम, तेज धारा में बह गया

आर्यावर्त संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के दनकौर स्थित दौला राजपुरा गांव में एक दर्दनाक हादसा हुआ है। यहां गंग नहर के किनारे खेल रहे दो सगे भाइयों में से चार साल का मासूम अदनान तेज बहाव में डूब गया। घटना के बाद से परिवार में कोहराम मचा है, जबकि पुलिस, प्रशासन और एनडीआरएफ की टीमें लगातार सर्च ऑपरेशन में जुटी हुई हैं, लेकिन देर रात तक बच्चे का कोई सुराग नहीं मिल सका।

अदनान अपने बड़े भाई के साथ घर के पास बह रही गंग नहर के किनारे खेल रहा था। दोनों भाई नहर के पास खड़े होकर पानी में बहती चीजों को देख रहे थे। इसी

दौरान उन्हें नहर में बहता हुआ एक नारियल दिखाई दिया। बताया जा रहा है कि बड़े भाई ने उसे पकड़ने के लिए नहर में छलांग लगा दी। जैसे ही बड़ा भाई पानी में उतरा, छोटा भाई अदनान घबरा गया और उसकी ओर दौड़ पड़ा। इसी बीच उसका पैर फिसल गया और वह सीधे गहरे पानी में जा गिरा।

पानी में बह गया मासूम

अदनान को नहर में गिरते देख बड़ा भाई तुरंत उसे बचाने के लिए लौटा, लेकिन पानी का तेज बहाव इतना अधिक था कि वह खुद भी संतुलन नहीं बना सका और अदनान उसकी पकड़ से दूर बह गया। इसके बाद बड़े भाई ने जोर-जोर से शोर मचाया। उसकी चीखें सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर दौड़े और तुरंत पुलिस को सूचना दी गई।

सूचना मिलते ही दनकौर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और तत्काल गोताखोरों को बुलाकर सर्च ऑपरेशन शुरू कराया। कुछ ही देर बाद एनडीआरएफ की टीम भी घटनास्थल पर पहुंच गई और नहर में गहन तलाशी अभियान चलाया गया। हालांकि नहर में पानी का बहाव तेज होने और गहराई अधिक होने के कारण तलाश अभियान में काफी मुश्किलें आ रही हैं। देर रात तक बच्चे का कोई पता नहीं चल पाया था।

परिवार में कोहराम मचा

घटना की खबर मिलते ही अदनान के परिवार में कोहराम मच गया। मां-बाप और अन्य परिजन बदहवास हालत में नहर किनारे पहुंच गए और बिलख-बिलख कर रोने लगे। गांव में भी शोक का माहौल है और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर मौजूद रहे। प्रशासन ने परिजनों को ढांढस बंधाया और हर संभव मदद का भरोसा दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए सदर एसडीएम समेत प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। दनकौर कोतवाली प्रभारी मुनेंद्र सिंह ने बताया कि पुलिस, स्थानीय गोताखोरों और एनडीआरएफ की टीम की मदद से लगातार सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नहर में तेज बहाव के कारण अभियान चुनौतीपूर्ण है, फिर भी बच्चे को ढूंढने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।

दुकानदार के सामने से सोने की चेन चुराकर महिला भागी, चोरी का वीडियो वायरल

आर्यावर्त संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के जेवर कस्बे में दिनदहाड़े ज्वेलरी दुकान से लाखों रुपये की सोने की चेन चोरी होने का मामला सामने आया है। ग्राहक बनकर आई एक महिला ने दुकानदार की नजर बचाकर चेन पर हाथ साफ किया और आराम से दुकान से निकल गई। पूरी घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। पीड़ित दुकानदार की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शुक्रवार दोपहर जेवर बाजार स्थित एक ज्वेलरी शॉप पर एक महिला ग्राहक बनकर पहुंची। उसने दुकानदार से सोने की चेन और अन्य आभूषण दिखाने को कहा। दुकानदार सुनील गुप्ता ने उसे एक-एक कर कई डिजाइन की चेन और गहने दिखाने शुरू किए। महिला बड़े ध्यान से आभूषण देखती रही और बीच-बीच में अलग-अलग डिजाइन दिखाने को कहती रही।

इसी दौरान उसने मौका देखकर एक सोने की चेन चुपके से अपने पास रख ली। कुछ देर बाद उसने आभूषण पसंद न आने का बहाना बनाया और बिना कुछ खरीदे दुकान से चली गई। शुरुआत में दुकानदार को किसी तरह की शंका नहीं हुई, लेकिन जब वह सामान वापस रखने लगा तो एक चेन गायब मिली।

बाहर निकले तो महिला हो चुकी थी फरार

चेन गायब होने का पता चलते ही दुकानदार तुरंत दुकान से बाहर भागा, लेकिन तब तक महिला बाजार की भीड़ में गायब हो चुकी थी। इसके बाद उसने तुरंत दुकान में लगे सीसीटीवी फुटेज को देखा, जिसमें महिला द्वारा चोरी की पूरी वारदात साफ दिखाई दी।

पीड़ित ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही जेवर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। कोतवाली प्रभारी ने बताया कि अज्ञात महिला के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है ताकि आरोपी की पहचान की जा सके।

डेढ़ लाख की चेन चोरी

दुकान संचालक सुनील गुप्ता के अनुसार चोरी हुई सोने की चेन की कीमत करीब डेढ़ लाख रुपये है। उन्होंने बताया कि महिला ने बेहद शातिर तरीके से वारदात को अंजाम दिया। हम आभूषण दिखाने में व्यस्त थे, उसी दौरान उसने चेन गायब कर दी। हमें बिल्कुल अंदाजा नहीं हुआ कि वह चोरी कर रही है, उन्होंने कहा।

घटना के बाद जेवर कस्बे के सराफा कारोबारियों में रोष और चिंता का माहौल है। व्यापारियों का कहना है कि त्योहारों के आसपास ग्राहक बनकर चोरी करने वाले गिरोह सक्रिय हो जाते हैं और भीड़भाड़ वाले बाजारों को निशाना बनाते हैं। उनका मानना है कि ऐसी घटनाओं से बचने के लिए दुकानदारों को अतिरिक्त सतर्कता बरतनी होगी।

पुलिस कर रही पहचान की कोशिश

पुलिस का कहना है कि महिला की पहचान के लिए स्थानीय लोगों से पूछताछ की जा रही है और बाजार व आसपास के मार्गों पर लगे अन्य सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी जुटाई जा रही है। अधिकारियों के अनुसार जल्द ही आरोपी की पहचान कर गिरफ्तारी की जाएगी।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर महान वैज्ञानिक डॉ सी .वी रमन को याद कर विज्ञान प्रतियोगिता आयोजित

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद उत्तर प्रदेश के तत्वाधान में जिलाधिकारी कुमार हर्ष, मुख्य विकास अधिकारी विनय कुमार सिंह तथा जिला विद्यालय निरीक्षक सूर्य प्रकाश सिंह, जिला विज्ञान क्लब सुल्तानपुर के निर्देश में महान वैज्ञानिक डॉ सी वी रमन के द्वारा रमन प्रभाव की खोज के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 28 फरवरी 2026 को 'वूमेन इन साइंस कैटालाइजिंग विकसित भारत' थीम पर राम राजी बालिका सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, सुल्तानपुर में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रख्यात चिकित्सक डॉ जे पी सिंह, विशिष्ट अतिथि के एन आई टी के कंप्यूटर साइंस विभागाध्यक्ष डॉ अरविंद तिवारी और सह जिला विद्यालय निरीक्षक जटाशंकर यादव ने सरस्वती प्रतिमा पर पुष्पार्चन व दीप प्रज्ज्वलित करके किया। डॉ जे पी सिंह ने आने वाली सदी को भारत के विज्ञान की सदी बताया और उपस्थित छात्र छात्राओं को विज्ञान अध्ययन व नवाचार के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर माध्यमिक विद्यालयों के कक्षा 9 से 12 के विद्यार्थी विज्ञान मॉडल तथा विज्ञान पोस्टर प्रतियोगिता में सम्मिलित हुएस के.एन.आई.टी. सुल्तानपुर के प्रोफेसर डॉ अरविंद तिवारी ने भारत रत्न और नोबेल पुरस्कार विजेता महान वैज्ञानिक सी वी रमन के द्वारा रमन प्रभाव की खोज के विषय में समझाते हुए आधुनिक युग को ए आई युग के रूप में परिवर्तित होने के प्रभाव पर प्रकाश डाला। सह जिला विद्यालय निरीक्षक जटा शंकर यादव ने अपने संबोधन में कहा कि आने वाला युग भारत का होगा, इन्होंने चंद्रयान मंगलयान तथा कोविड वैक्सीन आदि उपलब्धियां की चर्चा की। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर आयोजित विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता में प्रथम स्थान अक्षिता सोनी, द्वितीय स्थान प्रिया मोदनवाल, तथा तृतीय स्थान श्रेया साहू ने प्राप्त किया तथा विज्ञान पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान ऋचा साहू, द्वितीय स्थान मुस्कान मौर्या तथा तृतीय स्थान नैन्सी मिश्रा ने प्राप्त किया। जिन्हें ट्राफी और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। इस अवसर पर प्रभारी प्रधानाचार्य रोली श्रीवास्तव, कीर्ति सिंह, प्रीति सिंह, रंजना मिश्रा, कंचन सिंह, रजनी शुक्ला, जिला समन्वयक अखिलेश पांडे आदि उपस्थित रहे। नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने वाले प्रथम भारतीय वैज्ञानिक तथा भारत रत्न डॉ सी वी रमन के रमन प्रभाव खोज के अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के कार्यक्रम का संयोजन तथा संचालन जिला विज्ञान क्लब सुल्तानपुर के जिला समन्वयक शैलेंद्र चतुर्वेदी द्वारा किया गया।

मिलावटखोरों की खैर नहीं! होली से पहले ताबड़तोड़ छापे, बरेली और गोरखपुर में भारी मात्रा में नकली पनीर–खोवा बरामद

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बरेली। होली से पहले उत्तर प्रदेश के अलग-अलग जिलों में प्रशासन ने मिलावटखोरों के खिलाफ अभियान छेड़ दिया है। बरेली और गोरखपुर में की जा रही ताबड़तोड़ कार्रवाई से मिलावटखोरों में हड़कंप मचा हुआ है। अफसरों का कहना है कि त्योहार के दौरान लोगों की सेहत से खिलवाड़ किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और मिलावटी खाद्य पदार्थ बेचने वालों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बरेली में खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारी अक्षय गोयल के नेतृत्व में शहर और देहात के कई इलाकों में छापेमारी की गई। इस दौरान एक गोदाम से 880 किलो संदिग्ध पनीर बरामद हुआ, जिसे मौके पर ही जेसीबी से गड्ढा खुदवाकर नष्ट करा दिया गया, ताकि वह बाजार तक न पहुंच सके। इसी कार्रवाई के तहत रौनक ट्रेडर्स से भी संदिग्ध पनीर जब्त कर नष्ट किया गया।

टीम ने अन्य स्थानों पर भी सख्ती दिखाई। मीरगंज के राजेंद्र नगर स्थित मैसर्स रिद्धि इंटरप्राइजेज से 1191 किलो सरसों का तेल जब्त कर सीज किया गया और नमूना जांच के लिए लैब भेजा गया। शंकरपुर स्थित अमन स्वीट्स हाउस से 18 किलो खोया मौके पर ही नष्ट कराया गया। विजय ट्रेडर्स से हल्दी पाउडर और रंगीन चिप्स के नमूने लिए गए, जबकि फरीदपुर के बी.सी। ट्रेडर्स से घी का नमूना लिया गया। आनंद विहार कॉलोनी स्थित वी.पी। फूड प्रोडक्ट से 48 किलो कचरी जब्त की गई। सभी नमूनों की जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जांच में यह भी सामने आया कि कानपुर नगर में पकड़ी गई 786 किलो खराब क्वालिटी की पनीर खेप का संबंध बरेली से है। इस खुलासे के बाद प्रशासन ने सप्लाई चेन की जांच तेज कर दी है और विभिन्न गोदामों तथा परिवहन मार्गों पर निगरानी बढ़ा दी गई है। डीएम अविनाश सिंह ने बताया कि जिले में मिलावटखोरों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है और अब तक करोड़ों रुपये का जुर्माना वसूला जा चुका है। उन्होंने कहा कि त्योहार के समय खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता से समझौता करने वालों को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा। फिलहाल कुतुबखाना सब्जी मंडी में भी खाद्य सुरक्षा टीम की लगातार छापेमारी जारी है। रंग लगी कचरी, पापड़ और नकली मावा पर विशेष नजर रखी जा रही है। अधिकारियों के अनुसार होली तक यह अभियान लगातार जारी रहेगा ताकि लोगों को शुद्ध और सुरक्षित खाद्य सामग्री मिल सके।

'सर फर्जी छात्र दे रहा एग्जाम...' अफसर को वाट्सऐप पर भेजा मैसेज, छापेमारी में 5 'मुन्नाभाई' पकड़े गए

आर्यावर्त संवाददाता

गाजीपुर। यूपी बोर्ड की परीक्षाओं में सॉल्वर गिरोह पर शिकंजा कसने के बावजूद फर्जी परीक्षार्थियों के पकड़े जाने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा मामला गाजीपुर जिले के सैदपुर थाना क्षेत्र के भितरी स्थित सियावां गांव का है। यहां इंटरमीडिएट भौतिक विज्ञान की परीक्षा के दौरान एक साथ पांच सॉल्वर दूसरे अभ्यर्थियों की जगह परीक्षा देते पकड़े गए।

शुक्रवार को दूसरी पाली में आदर्श इंटर कॉलेज, सियावां में इंटरमीडिएट भौतिक विज्ञान की परीक्षा चल रही थी। इसी दौरान किसी अज्ञात व्यक्ति ने जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) प्रकाश सिंह के व्हाट्सएप नंबर पर एक फोटो भेजकर सूचना दी कि परीक्षा केंद्र पर एक परीक्षार्थी फर्जी तरीके से दूसरे की जगह परीक्षा दे रहा है। सूचना मिलते ही शिक्षा विभाग में हलचल मच गई।

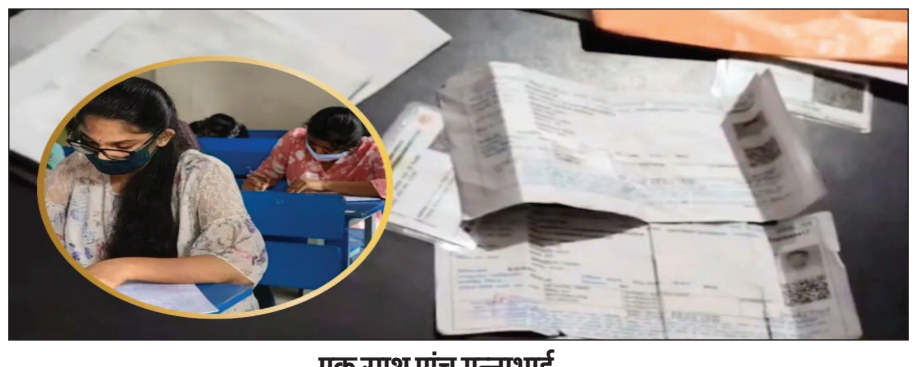

डीआईओएस ने तुरंत केंद्र व्यवस्थापक को सभी कक्षों में सघन जांच कराने के निर्देश दिए। निर्देश मिलते ही कक्ष निरीक्षकों ने परीक्षार्थियों के प्रवेश पत्र, पहचान पत्र और बायोमेट्रिक विवरण का मिलान शुरू किया। जांच के दौरान चौंकाने वाला खुलासा हुआ। एक नहीं बल्कि अलग-अलग कमरों से पांच युवक ऐसे मिले, जो वास्तविक अभ्यर्थियों की जगह परीक्षा दे रहे थे।

एक साथ पांच मुन्नाभाई पकड़े गए

लगातार पांच सॉल्वर पकड़े जाने की खबर से परीक्षा केंद्र पर अफरातफरी का माहौल बन गया। केंद्र व्यवस्थापक ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही सैदपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और सभी आरोपियों को हिरासत में लेकर थाने ले गई। पुलिस ने बताया कि पकड़े गए सभी युवक दूसरे परीक्षार्थियों के स्थान पर परीक्षा दे रहे थे। उनसे पूछताछ की जा रही है कि उन्हें किसने भेजा और इसके पीछे कौन-सा गिरोह सक्रिय है। केंद्र व्यवस्थापक की तहरीर मिलने के बाद आरोपियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद कुछ समय के लिए केंद्र पर हलचल रही, लेकिन प्रशासनिक हस्तक्षेप के बाद परीक्षा व्यवस्था को सामान्य किया गया और शेष परीक्षार्थियों की परीक्षा शांतिपूर्वक जारी रखी गई। अधिकारियों ने बताया कि किसी अन्य परीक्षार्थी को कोई परेशानी नहीं होने दी गई। जिला विद्यालय निरीक्षक प्रकाश सिंह ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर सभी कक्षों में बारीकी से जांच कराई गई, जिसमें अलग-अलग कक्षों से पांच सॉल्वर पकड़े गए। सभी को पुलिस के हवाले कर दिया गया है।

सॉल्वर गिरोह पर शिकंजा कसने की तैयारी

गौरतलब है कि इससे पहले दुल्लहपुर और खानपुर क्षेत्रों में भी कई सॉल्वर पकड़े जा चुके हैं। बार-बार सामने आ रहे ऐसे मामलों से स्पष्ट है कि बोर्ड परीक्षाओं में पास कराने के नाम पर सक्रिय सॉल्वर गिरोह अब भी छात्रों और अभिभावकों को गुमराह कर रहे हैं। शिक्षा विभाग और पुलिस अब इस पूरे नेटवर्क की जांच में जुट गए हैं।

अधूरा रहा पिता का ये अरमान, गरीबी के बोझ के नीचे दबकर भी न टूटने दिए बेटे के ख्वाब

आर्यावर्त संवाददाता

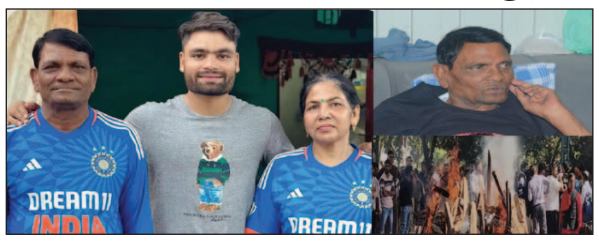

अलीगढ़। क्रिकेट की दुनिया में प्रशंसक आज जिस फिनिशर रिंकू सिंह के छक्कों पर झूमती है, उनको इस मुकाम तक पहुंचाने वाले रिंकू सिंह के पिता का एक सपना अधूरा रह गया। हर पिता की तरह खानचंद की आंखों में भी एक सपना था कि जिस बेटे रिंकू सिंह ने दुनिया जीती है, उसे सेहरा बांधे देख सकें। नियति का खेल देखिए उसकी शादी का सपना सीने में दबाए ही पिता विदा हो गए।

यह कसक आज रिंकू और उनके पूरे परिवार को अंदर तक छलनी कर रही है। रिंकू सिंह की शादी टी-20 विश्व कप के बाद मछली शहर की सांसद प्रिया सरोज से होनी है। प्रिया सरोज के साथ उनकी मंगनी हो चुकी है। अलीगढ़ की तंग गलियों में साइकिल पर भारी गैस सिलिंडर लादकर घर-घर पहुंचाने वाले खानचंद का शुक्रवार को निधन हो गया। वे अपने पीछे सफलता की एक ऐसी इबारत छोड़ गए हैं, जो केवल पसीने और एक पिता के अडिग विश्वास से लिखी गई थी।

उन्होंने गरीबी के बोझ के नीचे दबकर भी बेटे के अरमानों को झुकने नहीं दिया। दो कमरों के मामूली मकान में रहने वाले खानचंद दिन भर सिलिंडर ढोकर जो चंद रुपये कमाते, उनसे वे रिंकू के लिए गेंद और बल्ले का इंतजाम करते थे।

रिंकू ने फटे जूतों और तंगहाली के बीच तय किया नीली जर्सी तक का सफर

कोच मसूद जफर अमीनी भावुक होकर याद करते हैं कि कैसे खानचंद खुद रिंकू का हाथ थामकर अहिल्याबाई होल्कर स्टेडियम लाए थे। वह पिता का ही हौसला था कि रिंकू ने फटे जूतों और तंगहाली के बीच अंडर-16 से लेकर टीम इंडिया की नीली जर्सी तक का सफर तय किया।

एक दौर वह भी था जब रिंकू खुद पिता का हाथ बंटाने के लिए कभी-कभार बाइक पर सिलिंडर पहुंचा देते थे, लेकिन खानचंद ने हमेशा कोशिश की कि रिंकू का ध्यान खेल से न भटके। उन्होंने ताउम्र मेहनत की ताकि उनका बेटा सिर्फ मैदान पर पसीना बहाए। रिंकू के कामयाब होने के बाद भी खानचंद का संघर्ष के प्रति सम्मान कम नहीं हुआ।

मजदूरी से बेटे को दिलाई प्रसिद्धि

आज अलीगढ़ की उन गलियों में एक अजीब सा सन्नाटा है। रिंकू सिंह ने जब अपने पिता की अर्थी को कांधा दिया, तो मानो एक युग का अंत हो गया। एक ऐसा युग जहां एक पिता ने अपनी मजदूरी को बेटे की प्रसिद्धि का जरिया बना दिया।

बेसुध होकर गिरी मां

पिता के जाने की खबर जब ओजोन सिटी स्थित आवास पर पहुंची, तो वहां का मंजर कलेजा चीर देने वाला था। ग्रेटर नोएडा के अस्पताल से घर लाते समय तक मां बीना को यह बताया गया था कि डॉक्टर ने उन्हें घर ले जाने को कहा है, लेकिन जैसे ही घर की चौखट पर सच सामने आया, मां बेसुध होकर गिर पड़ीं।

बहन नेहा और भाइयों का रो-रोकर बुरा हाल था। पूरे परिवार को ढांढस बंधाने के बाद रिंकू ने भारी मन से लेकिन मजबूत इरादे के साथ देश के लिए खेलने का संकल्प लिया है।

लीवर कैंसर के स्टेज-4 से थे पीड़ित, दी जा रही थी रिप्लेसमेंट थेरेपी

रिंकू सिंह के पिता खानचंद को मंगलवार को यहां यथार्थ अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया और रिप्लेसमेंट थेरेपी दी जा रही थी। खानचंद लीवर कैंसर के स्टेज-4 से पीड़ित थे। रिंकू के भाई सोनू अस्पताल में मौजूद रहे और पिता की देखरेख करते रहे। पिता की तबीयत बिगड़ने पर मंगलवार को रिंकू भी उनसे मिलने आए थे।

जानकारी के अनुसार, शुरुआत में पिता बेटे के क्रिकेट के खेलने के खिलाफ थे लेकिन एक बार रिंकू को मैच में इनाम के तौर पर बाइक मिली थी। उसके बाद आर्थिक तंगी के बावजूद उन्होंने रिंकू को क्रिकेटर बनने के लिए हर संभव सहयोग किया है। बीते वर्ष रिंकू ने अपने पिता को 3.19 लाख रुपये की कावासाकी निंजा बाइक उपहार में दी थी।

नहीं रहे रिंकू सिंह के पिता खानचंद

भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज रिंकू सिंह के पिता खानचंद का शुक्रवार सुबह निधन हो गया। 60 वर्षीय खानचंद लंबे समय से चौथी स्टेज के लिवर कैंसर से जूझ रहे थे। उन्होंने ग्रेटर नोएडा के एक निजी अस्पताल में सुबह 4:30 बजे अंतिम सांस ली। उनका पार्थिव शरीर एंबुलेंस से सुबह 10 बजे अलीगढ़ में ओजोन सिटी स्थित गोल्डन एस्टेट स्थित उनके आवास पर पहुंचा। रिंकू सिंह के पिता के निधन की सूचना पाकर उनके आवास पर भीड़ लग गई।

सुलतानपुर चीनी मिल के आधुनिकीकरण की मांग तेज, मंत्री को सौंपा गया पत्र

सुल्तानपुर। जनपद की एकमात्र सहकारी चीनी मिल के आधुनिकीकरण और पेराई क्षमता बढ़ाने की मांग ने जोर पकड़ लिया है। 188-सुलतानपुर के पूर्व मंत्री/विधायक विनोद सिंह ने 27 फरवरी को कैबिनेट मंत्री भूपेंद्र सिंह को पत्र भेजकर मिल के विस्तार और तत्काल सुधार की मांग की है। पत्र में कहा गया है कि 1973 में स्थापित और 1984 से संचालित यह मिल करीब 42 वर्ष पुरानी होकर जर्जर स्थिति में पहुंच चुकी है। वर्तमान पेराई क्षमता लगभग 12,500 कुंतल प्रतिदिन है, जबकि इसे 40,000 कुंतल प्रतिदिन तक बढ़ाने का आश्वासन दिया गया था। कम क्षमता के कारण किसानों को गन्ना अन्य जिलों की मिलों में ले जाना पड़ रहा है, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। जनप्रतिनिधियों का कहना है कि जिले में औद्योगिक विकास सीमित होने से बड़ी आबादी कृषि पर निर्भर है।

सविष्कार स्टार्टअप संगम 2026 ' का शुभारंभ, नवाचार से विकसित भारत @2047 का संकल्प मजबूत: ए.के. शर्मा

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए के शर्मा ने डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम टेक्निकल यूनिवर्सिटी में आयोजित 'सविष्कार स्टार्टअप संगम 2026' का शुभारंभ किया। यह राष्ट्रीय स्तर का सम्मेलन विकसित भारत @2047 की परिकल्पना के अनुरूप आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य नवाचार, उद्यमिता तथा युवाओं के नेतृत्व में राष्ट्र निर्माण को प्रोत्साहित करना है। कार्यक्रम में देशभर से 400 से अधिक विद्यार्थी, स्टार्टअप संस्थापक, नवप्रवर्तक, शोधकर्ता और उद्योग जगत के प्रतिनिधि शामिल हुए।अपने संबोधन में मंत्री श्री शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नवाचार को केवल तकनीकी प्रयोग तक सीमित न रखकर उसे शासन, उद्योग, शिक्षा और सामाजिक विकास से जोड़ा गया है। नीतिगत समर्थन, डिजिटल आधार, वित्तीय प्रोत्साहन और वैश्विक दृष्टि के कारण आज भारत विश्व के प्रमुख स्टार्टअप केंद्रों में उभरकर सामने आया है। उन्होंने कहा कि नवाचार अब महानगरों तक सीमित नहीं है, बल्कि छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों तक भी पहुंच चुका है।मंत्री ने कहा कि भारत में शोध कार्य बहुआयामी और तेजी से विकसित हो रहे हैं। युवा प्रतिभा, तकनीकी संसाधन और मजबूत नीति समर्थन के संयोजन से देश वैश्विक नवाचार मानचित्र पर अपनी सशक्त पहचान स्थापित कर रहा है।उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश को विकास की नई गति और दिशा मिली है। विकसित उत्तर प्रदेश का लक्ष्य, विकसित भारत @2047 के राष्ट्रीय संकल्प को मजबूत आधार प्रदान कर रहा है। राज्य सरकार युवाओं और स्टार्टअप के लिए अनेक योजनाएं संचालित कर रही है, जिनका लाभ उठाकर युवा आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं।कार्यक्रम के दौरान मंत्री ने युवा उद्यमियों और छात्रों से संवाद कर उन्हें नवाचार और उद्यमिता के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप तंत्र तभी सफल होगा जब आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को व्यवहार में उतारा जाएगा। उन्होंने विभिन्न प्रदर्शनी स्थलों का निरीक्षण भी किया और आयोजकों से आग्रह किया कि भविष्य में ऐसे आयोजनों में सरकारी विभागों के स्टॉल भी लगाए जाएं।इस अवसर पर विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक प्रोफेसर दीपक नगड़िया, संयोजक निसर्ग राठौर, अभय प्रताप सिंह, तेजस्विनी, सत्यम तिवारी सहित देश के विभिन्न हिस्सों से आए युवा उद्यमी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

डॉ. राजेंद्र प्रसाद की पुण्यतिथि पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अर्पित की श्रद्धांजलि

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शनिवार को लखनऊ स्थित अपने सरकारी आवास, सात कालिदास मार्ग पर देश के प्रथम राष्ट्रपति एवं 'भारत रत्न' डॉ. राजेंद्र प्रसाद की पुण्यतिथि के अवसर पर उनके चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी।इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. राजेंद्र प्रसाद का संपूर्ण जीवन राष्ट्रसेवा, त्याग, सादगी और उच्च आदर्शों का प्रतीक रहा है। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम से लेकर स्वतंत्र भारत के निर्माण तक प्रत्येक चरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। राष्ट्र निर्माण में उनकी अग्रणी भूमिका को सदैव स्मरण किया जाएगा। उनके अमूल्य योगदान के लिए उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' से अलंकृत किया गया।श्री मौर्य ने कहा कि लोकतांत्रिक मूल्यों, संवैधानिक परंपराओं और जनकल्याण के प्रति उनका अटूट समर्पण हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। राष्ट्रपति पद जैसे सर्वोच्च दायित्व पर आसीन रहने के बावजूद उन्होंने सादगीपूर्ण जीवन शैली अपनाई और जनसामान्य से आत्मीय संबंध बनाए रखा। वे भारतीय संस्कृति, शिक्षा और ग्रामीण विकास के प्रबल समर्थक थे।उप मुख्यमंत्री ने कहा कि आज आवश्यकता है कि हम उनके आदर्शों को आत्मसात करते हुए राष्ट्र निर्माण के कार्य में सक्रिय सहभागिता निभाएं। लोकतंत्र की मजबूती, सामाजिक समरसता और सुशासन की स्थापना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

० संक्षेप ०

होली पर 1.86 करोड़ उज्ज्वला परिवारों को गैस रिफिल सब्सिडी, मुख्यमंत्री ने जारी किए 1500 करोड़ रुपये

लखनऊ। होली के पावन अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार ने 1 करोड़ 86 लाख उज्ज्वला योजना लाभार्थियों को बड़ी सौगात दी है। माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गैस सिलेंडर रिफिल सब्सिडी वितरण कार्यक्रम में संबोधित करते हुए 1500 करोड़ रुपये की राशि जारी करने की घोषणा की।मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन सरकार ने जो वादा किया था, उसी क्रम में यह राशि सीधे उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों के लिए जारी की जा रही है। उन्होंने बताया कि अब लाभार्थी अपने नजदीकी गैस एजेंसी, जहां उनका कनेक्शन है, वहां जाकर इस राशि का उपयोग करते हुए भरा हुआ सिलेंडर प्राप्त कर सकते हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि त्योहार के अवसर पर किसी भी गरीब परिवार को ईंधन की कमी का सामना न करना पड़े। उन्होंने लाभार्थियों को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रदेश सरकार जनकल्याण की योजनाओं को पूरी प्रतिबद्धता के साथ लागू कर रही है।उन्होंने कहा कि उज्ज्वला योजना ने माताओं-बहनों को धुएं से मुक्ति दिलाने और स्वच्छ ईंधन उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सरकार का प्रयास है कि गरीब और जरूरतमंद परिवारों को समय-समय पर राहत और सुविधा प्रदान की जाती रहे।

चार वरिष्ठ आईएएस अधिकारी आज होंगे सेवानिवृत्त, विभागों में विदाई समारोह

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कैडर के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी देवेश चतुर्वेदी और सुभाष चंद्र शर्मा सहित चार अधिकारी 28 फरवरी को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। इनके साथ सचिव गृह अटल कुमार राय तथा सचिव माध्यमिक शिक्षा चंद्रभूषण सिंह भी आज सेवा निवृत्ति प्राप्त करेंगे।देवेश चतुर्वेदी वर्तमान में केंद्र सरकार में कृषि एवं किसान कल्याण विभाग में सचिव के पद पर कार्यरत हैं। वहीं सुभाष चंद्र शर्मा प्रदेश सरकार में पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग जैसे महत्वपूर्ण विभाग का दायित्व संभाल रहे थे।सुभाष शर्मा के सम्मान में शुक्रवार को विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों ने विदाई समारोह का आयोजन किया। वक्ताओं ने उनके प्रशासनिक अनुभव, कार्यशैली और विभागीय सुधारों में योगदान की सराहना की।

गाजियाबाद में सलीम वास्तिक पर जानलेवा हमला, हिंदू संगठनों में आक्रोश

लखनऊ। गाजियाबाद में स्वयं को पूर्व मुस्लिम बताने वाले सलीम वास्तिक पर शुक्रवार को हुए जानलेवा हमले के बाद विभिन्न संगठनों में आक्रोश व्याप्त है।अखिल भारत हिंदू महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शिशिर चतुर्वेदी ने घटना की निंदा करते हुए आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और मुठभेड़ की मांग की है।जानकारी के अनुसार हमलावरों ने सलीम वास्तिक पर उनके कार्यालय में चाकू से गर्दन और पेट पर कई वार किए, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।बताया जाता है कि सलीम वास्तिक पूर्व में मुस्लिम धर्म छोड़ चुके हैं और "Salim Vastik 0007" नाम से एक वीडियो चैनल चलाते थे, जिसमें वे धार्मिक विषयों पर टिप्पणी करते थे। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपियों की तलाश में जुटी है।प्रशासन ने क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की है।

ससुर की फावड़े से हत्या करने वाला दामाद गिरफ्तार, बंथरा पुलिस ने आलाकत्ल बरामद कर भेजा जेल

लखनऊ। ग्राम चक थाना बंथरा क्षेत्र में दहेज विवाद के बाद हुए हमले में ससुर की इलाज के दौरान मृत्यु के मामले में पुलिस ने मुख्य वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने अपनी पत्नी को मायके भेजने के विवाद में आक्रोशित होकर फावड़े से ससुर के सिर पर वार किया था। पुलिस ने अभियुक्त की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त फावड़ा भी बरामद कर लिया है।पुलिस के अनुसार 22 फरवरी 2026 को वादिनी पूजा रावत पत्नी संदीप कुमार, निवासी ग्राम चक थाना बंथरा जनपद लखनऊ ने तहरीर देकर आरोप लगाया था कि पति एवं

होली पर हवाई सफर महंगा : मुंबई-लखनऊ का किराया तीन गुना, दिल्ली मार्ग भी आठ हजार के पार

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। होली के त्योहार से पहले घर लौटने की तैयारी कर रहे यात्रियों को इस बार महंगे हवाई सफर का सामना करना पड़ रहा है। मुंबई और दिल्ली से लखनऊ आने वाली उड़ानों के किराए सामान्य दिनों की तुलना में दो से तीन गुना तक बढ़ गए हैं। वहीं ट्रेनों में लंबी प्रतीक्षा सूची ने लोगों की परेशानी और बढ़ा दी है।मुंबई से लखनऊ आने वाली उड़ानों में दो मार्च को इंडिगो की उड़ान का किराया 10,416 रुपये तक पहुंच गया। एयर इंडिया की इसी मार्ग की उड़ान होली सप्ताह में 13,058 रुपये में उपलब्ध रही, जबकि अकासा एयर की उड़ान का किराया 11,791 रुपये दर्ज किया गया। तीन मार्च को कुछ उड़ानों का किराया बढ़कर 16,193 रुपये तक पहुंच गया, जो सामान्य दिनों में लगभग पांच हजार रुपये के आसपास रहता है।दिल्ली से लखनऊ आने वाले मार्ग पर भी किराए में भारी वृद्धि देखी जा रही है। तीन मार्च को दिल्ली-लखनऊ उड़ानों का किराया 11,893 रुपये तक पहुंच गया, जबकि कई उड़ानों में यह आठ हजार रुपये से अधिक बना हुआ है।विशेषज्ञों का मानना है कि त्योहार के दौरान यात्रियों की संख्या में अचानक बढ़ोतरी के कारण सीटों की मांग बढ़ गई है, जिससे किराए में तेजी आई है। बड़ी संख्या में लोग होली पर अपने घर लौटते हैं, जिसके चलते अंतिम समय पर टिकट लेना यात्रियों की जेब पर भारी पड़ रहा है।दूसरी ओर रेल मार्ग से सफर करने वाले यात्रियों की स्थिति भी बेहतर नहीं है। प्रमुख ट्रेनों में लंबी प्रतीक्षा सूची चल रही है और तत्काल टिकट मिलना भी मुश्किल हो गया है। ऐसे में यात्रियों के सामने न तो सस्ती हवाई सुविधा उपलब्ध है और न ही रेल में आसानी से स्थान मिल पा रहा है।

कांशीराम की विरासत पर सियासी घमासान, सपा के दावे से भड़की बसपा

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी और समाजवादी पार्टी के बीच मान्यवर कांशीराम की विरासत को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। सपा की ओर से कांशीराम की विचारधारा और विरासत पर किए गए दावों के बाद बसपा ने कड़ा ऐतराज जताया है।विश्वनाथ पाल ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि अखिलेश यादव कांशीराम जी के नाम पर "नौटंकी" कर रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि सपा को वास्तव में मान्यवर कांशीराम से इतना प्रेम और सम्मान था तो कांशीराम नगर का नाम क्यों बदला गया।बसपा प्रदेश अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि कांशीराम जी की जयंती पर अवकाश रद्द कर सपा सरकार ने उनका अपमान किया था। उन्होंने कहा कि यदि सपा नेतृत्व में सच्चा सम्मान होता तो ऐसा निर्णय नहीं लिया जाता।

रेरा का विराज कांस्ट्रक्शन पर कड़ा आदेश, डॉ अनुपमा तिवारी को ब्याज सहित करीब 50 लाख रुपये देने के निर्देश

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ निवासिनी डॉ अनुपमा तिवारी की शिकायत पर माननीय उत्तर प्रदेश रियल एस्टेट विनियामक प्राधिकरण (यूपी रेरा) की लखनऊ पीठ ने 28 जनवरी, 2026 को विराज कांस्ट्रक्शन कंपनी के विरुद्ध महत्वपूर्ण आदेश पारित किया है। प्रकरण में पीड़िता की ओर से अधिवक्ता विजय कुमार पाण्डेय ने प्रभावी पैरवी की। प्राधिकरण के आदेश को उपभोक्ताओं के हित में एक अहम निर्णय माना जा रहा है, जिसमें बिल्डर को न केवल निर्माण पूर्ण करने बल्कि विलंब अवधि का ब्याज सहित धनराशि लौटाने के निर्देश दिए गए हैं।मामले के अनुसार डॉ अनुपमा तिवारी ने वर्ष 2014 में बीबीडी ग्रीन सिटी, लखनऊ स्थित लोटस कोर्ट (फेज-1) परियोजना में एक आवासीय फ्लैट बुक कराया था। बाद में उन्हें यूनिट संख्या LC/T4/803 आवंटित की गई और 3 जून, 2019 को विक्रय अनुबंध निष्पादित हुआ। अनुबंध की शर्तों के अनुसार बिल्डर को 30 जून, 2021 तक फ्लैट का वैध कब्जा उपलब्ध कराना था। इस फ्लैट के एवज में डॉ तिवारी द्वारा कुल 35,35,291 रुपये का भुगतान किया जा चुका था।निर्धारित समयसीमा बीत जाने के बावजूद विराज कांस्ट्रक्शन न तो परियोजना के लिए ऑक्यूपेंसी सर्टिफिकेट (ओसी) अथवा कम्प्लीशन सर्टिफिकेट (सीसी) प्राप्त कर सका और न ही फ्लैट का कब्जा सौंप पाया। लगातार देरी के कारण डॉ तिवारी को दोहरी आर्थिक मार झेलनी पड़ी। एक ओर उन्हें बैंक से लिए गए ऋण पर ब्याज का भुगतान करना पड़ रहा था, वहीं दूसरी ओर आवास उपलब्ध न होने के कारण उन्हें प्रतिवर्ष लगभग ढाई से तीन लाख रुपये किराया भी वहन करना पड़ा। इस स्थिति ने उनकी आर्थिक स्थिति पर गंभीर प्रभाव डाला।विलंब और अनिश्चितता से परेशान होकर अंततः उन्होंने रेरा की शरण ली। सुनवाई के दौरान बिल्डर की ओर से शिकायत का विरोध किया गया, किंतु प्राधिकरण ने दोनों पक्षों की दलीलों, अभिलेखों और अनुबंध की शर्तों का परीक्षण करने के बाद पाया कि बिल्डर द्वारा समय पर कब्जा न देकर उपभोक्ता के अधिकारों का उल्लंघन किया गया है।अपने आदेश में रेरा ने स्पष्ट किया कि विराज कांस्ट्रक्शन अगस्त 2026 तक निर्माण कार्य पूर्ण कर आवश्यक ओसी/सीसी प्राप्त करे और उसके बाद विधिवत कब्जा उपलब्ध कराए। साथ ही प्राधिकरण ने निर्देश दिया कि 30 जून, 2021 से लेकर वास्तविक कब्जा प्रदान किए जाने या ओसी/सीसी प्राप्ति की तिथि (जो भी बाद में हो) तक जमा की गई राशि पर एसबीआई एमसीएलआर प्लस एक प्रतिशत की दर से विलंब अवधि का ब्याज अदा किया जाए। लगभग चार वर्ष सात माह की देरी को ध्यान में रखते हुए अनुमानित 9 प्रतिशत वार्षिक दर से लगभग 14,57,162 रुपये ब्याज सहित कुल देय राशि करीब 49,92,453 रुपये निर्धारित की गई है। आदेश में यह भी उल्लेखित है कि यदि भुगतान में और देरी होती है तो उस अवधि के लिए अतिरिक्त ब्याज भी देय रहेगा।

लखनऊ व्यापार मंडल में चार व्यापारियों ने पुन : ग्रहण की सदस्यता, संगठन को सशक्त बनाने का संकल्प

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। 28 फरवरी 2026 को इंदिरा नगर स्थित कंचन स्वीट हाउस में आयोजित कार्यक्रम में लखनऊ व्यापार मंडल के अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र की गरिमामयी उपस्थिति में सतनाम सिंह, गुंजन तुलानी, नरेंद्र तुलानी एवं नितिन अग्रवाल ने पुनः संगठन की सदस्यता ग्रहण की।सदस्यता ग्रहण करते हुए सभी नवसदस्यों ने कहा कि "लखनऊ व्यापार मंडल हमारा परिवार है और हम कार्यकारिणी के साथ मिलकर तन, मन एवं धन से संगठन को सशक्त बनाने का कार्य करेंगे।" उन्होंने संगठन की एकजुटता और व्यापारी हितों के लिए निरंतर संघर्ष की भावना को आगे बढ़ाने का भरोसा जताया।सतनाम सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि लखनऊ व्यापार मंडल के प्रति उनका विशेष लगाव और आत्मीय जुड़ाव रहा है। उनके अनुसार यह संगठन केवल व्यापारियों के अधिकारों की आवाज़ उठाने वाला मंच ही नहीं, बल्कि परिवार की तरह सदस्यों के सुख-दुख में साथ खड़ा रहने वाला सशक्त संगठन है। उन्होंने कहा कि संगठन की कार्यशैली, नेतृत्व क्षमता और व्यापारी हितों के प्रति प्रतिबद्धता से प्रभावित होकर उन्होंने पुनः सदस्यता ग्रहण की है।बैठक में अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र के साथ उत्तम कपूर, देवेंद्र गुप्ता, सुहैल हैदर अल्वी, आदर्श सिंह, पवन सिंह, मनीष वर्मा, नरेश अग्रवाल, चिराग जाखोदिया, अभिषेक सिंह चौहान, आयुष बाजपेई सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।लखनऊ व्यापार मंडल परिवार ने सभी नवसदस्यों का स्वागत करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का संकल्प दोहराया।

पर्यावरण अनुकूल होली के लिए नगर निगम लखनऊ की पहल, कान्हा उपवन में गोबर के लट्ठे तैयार

लखनऊ। होली के पावन पर्व को पर्यावरण के अनुकूल और प्रदूषण मुक्त बनाने के उद्देश्य से नगर निगम लखनऊ द्वारा एक सराहनीय पहल की जा रही है। निगम के कान्हा उपवन में देसी गाय के गोबर से होलिका दहन के लिए विशेष लट्ठे तैयार किए जा रहे हैं, जिन्हें धार्मिक, आध्यात्मिक और पर्यावरणीय दृष्टि से लाभकारी बताया जा रहा है।पशु कल्याण अधिकारी डॉ. अभिनव वर्मा के अनुसार देसी गाय के गोबर से बने इन लट्ठों के दहन से वातावरण अपेक्षाकृत शुद्ध रहता है और प्रदूषण में कमी आती है। पारंपरिक मान्यताओं के मुताबिक गोबर से किया गया होलिका दहन सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है और लकड़ी के अत्यधिक उपयोग से होने वाले पर्यावरणीय नुकसान को भी कम करता है।नगर निगम की इस पहल का उद्देश्य पेड़ों की कटाई रोकना और स्वच्छ, हरित होली को बढ़ावा देना है।

अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान उत्तर प्रदेश की स्थापना दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान, लखनऊ, संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश की स्थापना दिवस के अवसर पर आज 28 फरवरी, 2026 को अंतरराष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान, लखनऊ द्वारा विश्व शांति हेतु संगोष्ठी, धम्म सभा, परित्राण पाठ, पुस्तक विमोचन, निबन्ध, चित्रकला प्रतियोगिता एवं स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि माननीय सदस्य विधान परिषद अवनीश सिंह, विशिष्ट अतिथि जे०पी० सिंह, सलाहकार संस्कृति एवं पर्यटन, उ०प्र०, हरगोविंद बौद्ध, का० अध्यक्ष अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान, संस्थान के सदस्य तरुणेश बौद्ध, भिक्षु शील रतन, निदेशक संस्थान डॉ राकेश सिंह, अरुणेश मिश्र, प्रो० अवधेश कुमार चौबे, डॉ धीरेंद्र सिंह, अमरेंद्र त्रिपाठी सहित बड़ी संख्या में बौद्ध भिक्षु, विभिन्न विद्यालयों से आये छात्र-छात्राएं, अध्यापक, गणमान्य नागरिक एवं बौद्ध विद्वान तथा पत्रकार बंधु उपस्थित थे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता हरगोविंद बौद्ध, का० अध्यक्ष अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान, लखनऊ ने की। कार्यक्रम का आरंभ भगवान बुद्ध की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन, बुद्ध वंदना से हुआ। मुख्य अतिथि माननीय सदस्य विधान परिषद अवनीश सिंह ने बताया कि भगवान बुद्ध ने करुणा, शांति और मानवता के उत्थान का संदेश दिया है। भगवान बुद्ध के अहिंसा, मध्यम मार्ग और करुणा के सिद्धांत आज भी समाज को सही दिशा देने में सक्षम हैं। उन्होंने युवाओं से बुद्ध के विचारों को जीवन में अपनाकर समरस, नैतिक और शांतिपूर्ण समाज के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। विशिष्ट अतिथि जे०पी० सिंह, सलाहकार संस्कृति एवं पर्यटन, उ०प्र० ने कहा कि संस्कृति किसी समाज की आत्मा होती है और बौद्ध संस्कृति भारत की उसी जीवंत परंपरा का अभिन्न अंग है। बुद्ध के विचारों को जन-जन तक पहुँचाना तथा युवा पीढ़ी को उनसे जोड़ना समय की आवश्यकता है, जिससे एक शांत, नैतिक और सुसंस्कृत समाज का निर्माण हो सके। संस्थान के सदस्य भिक्षु शील रतन ने बताया अपने संदेश में कहा कि भगवान बुद्ध का धम्म मानव जीवन को अज्ञान से प्रज्ञा की ओर, हिंसा से करुणा की ओर और अशांति से शांति की ओर ले जाने वाला मार्ग है। बुद्ध का संदेश आज भी मानवता के कल्याण का शाश्वत पथ प्रदर्शक है। संस्थान के का० अध्यक्ष हरगोविंद बौद्ध ने अपने अध्यक्षीय भाषण में बताया कि भगवान बुद्ध का संदेश केवल आध्यात्मिक नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक उत्थान का मार्गदर्शन भी करता है। बुद्ध के करुणा, शील और प्रज्ञा के सिद्धांत आज के समय में वैश्विक शांति, सांस्कृतिक समरसता एवं पर्यटन के माध्यम से भारत की बौद्ध विरासत को विश्व पटल पर स्थापित करने में सहायक हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार बौद्ध स्थलों के संरक्षण, संवर्धन और बौद्ध पर्यटन के विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है, जिससे बुद्ध के संदेश को जन-जन तक पहुँचाया जा सके।

संस्थान के निदेशक डॉ० राकेश सिंह ने संस्थान की गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि संस्थान बौद्ध धर्म के प्रचार-प्रसार एवं विकास के लिए निरंतर प्रयत्नशील रहा है। संस्थान ने शैक्षणिक कार्यों के साथ अंतरराष्ट्रीय सहयोग, समझौता ज्ञापन, बुद्धिस्ट कॉन्क्लेव, योग, ध्यान, विपासना शिविर, बौद्ध पर्यटन से जुड़े कार्यक्रमों के माध्यम से निरंतर प्रयास किया है। इसके साथ ही आपने बताया कि बौद्ध धर्म ने अहिंसा, करुणा, समानता और मध्यम मार्ग के सिद्धांतों द्वारा विश्व शांति की मजबूत नींव रखी है। यह धर्म न केवल आध्यात्मिक मार्गदर्शन देता है, बल्कि व्यावहारिक जीवन में भी शांति और सद्भाव स्थापित करने का संदेश देता है। वर्तमान समय में जब विश्व हिंसा और तनाव से जूझ रहा है, तब बौद्ध धर्म की शिक्षाएँ और भी अधिक प्रासंगिक हो जाती हैं।

इसी क्रम में शोधार्थी शिखा एवं सुशील की पुस्तक बोधि पाठशाला का लोकार्पण माननीय सदस्य विधान परिषद अवनीश सिंह एवं आये हुए गणमान्य अतिथियों द्वारा किया गया। इस अवसर पर संस्थान ने 'बुद्ध के विभिन्न स्वरुप' विषय पर चित्रकला एवं 'बौद्ध तीर्थ स्थल और उनका पर्यटन में योगदान' विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया, जिसमें लगभग 200 से अधिक बच्चों ने प्रतिभागिता की। चित्रकला प्रतियोगिता में साक्षी गुप्ता को प्रथम, अपराजिता सिंह को द्वितीय तथा सौम्या शर्मा को तृतीय पुरस्कार तथा पांच अन्य प्रतिभागियों हेमा पटेल, संस्कृति, आकृति सिंह, गौरी सिंह, अंशिका सिंह को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। इसी तरह निबंध प्रतियोगिता में काव्या मौर्या को प्रथम, निधि राजभर को द्वितीय, चाँदनी देवी को तृतीय पुरस्कार तथा पांच अन्य प्रतिभागियों लक्ष्मी, स्तुति राजपूत, शिंजनी मिश्रा, आर्यन चौधरी, अंकिता सिंह को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। इसके साथ ही प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले सभी प्रतिभागियों को भी पुरस्कृत किया गया।

संस्थान ने खुशी फॉउण्डेशन के साथ स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जिसमे विभिन्न प्रकार के स्वास्थ्य से सम्बंधित परीक्षण जैसे आंख, ह्रदय, ब्लड प्रेशर की जाँच, सीपीआर का प्रशिक्षण आदि निःशुल्क किये गए। उक्त शिविर में मैक्स हॉस्पिटल(लखनऊ), डॉ अग्रवाल्स ऑय हॉस्पिटल एवं डॉक्टर यसनो एलएलपी ने तकनीकी सहयोग प्रदान किया। अंत में निदेशक संस्थान डॉ० राकेश सिंह ने कार्यक्रम में आए हुए गणमान्य अतिथियों, बौद्ध भिक्षुओं, वक्ताओं, मीडिया कर्मियों एवं विद्वानों, छात्र-छात्राओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

वैश्विक अर्थव्यवस्था में अविश्वास बढ़ रहा

चौतरफा अविश्वास बढ़ रहा है। नियम आधारित पुरानी विश्व व्यवस्था बिखर गई है। दुनिया के किसी भी देश को दूसरे देश पर या देशों के किसी भी समूह को दूसरे समूह पर भरोसा नहीं रह गया है। जब अमेरिका और यूरोप के बीच अविश्वास बढ़ गया तो बाकी देशों के बारे में क्या कहा जाए! इसी तरह वैश्विक अर्थव्यवस्था में अविश्वास बढ़ रहा है। दुनिया की अर्थव्यवस्था आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में निवेश और उसके बाजार में आए उछाल से चलती दिख रही है। इसने सॉफ्टवेयर और आईटी आधारित सेवाओं के उद्योग को लगभग ध्वस्त कर दिया है।

जब से एआई कंपनी एंथ्रोपिक की ओर से कहा गया कि उसके ऑटोमेटेड ऑफिस सूट से सॉफ्टवेयर और दूसरे ऑपरेटिंग सिस्टम्स की जरुरत ही खत्म हो जाएगी तब से आईटी कंपनियों की हालत खराब है। माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ ने भी कहा है कि अगले डेढ़ से दो साल में सारे व्हाइट कॉलर जॉब्स एआई के जरिए ऑटोमेटेड हो जाएंगे। हालांकि इसके बावजूद चिप बनाने वाली दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी और दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनी एनवीडिया के निवेशक अपने पैसे निकाल रहे हैं। सॉफ्टबैंक से लेकर पीटर थील तक ने पैसे निकाले हैं तो यह भी खबर है कि कंपनी के सीईओ से लेकर दूसरे अहम लोग भी अपने शेयर बेच रहे हैं। यह अविश्वास पूरी अर्थव्यवस्था को अपने चपेट में ले सकता है।

वैश्विक भू राजनीतिक और आर्थिक अविश्वास के माहौल में सबसे चिंता की स्थिति भारत में दिख रही है, जहां राजनीतिक और सामाजिक विभाजन दिन प्रतिदिन गहरा होता जा रहा है। भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर कुछ कहने की जरुरत नहीं है। यह उपभोग आधारित है तो डेढ़ सौ करोड़ लोगों की अर्थव्यवस्था चलती ही रहेगी और जिस रफ्तार से बढ़ रही है उस रफ्तार से बढ़ती रहेगी। लेकिन सामाजिक और राजनीतिक विभाजन, अविश्वास देश के सामने बड़ा खतरा बन कर आया है। देश की राजनीति में कभी भी ऐसी स्थिति नहीं रही थी कि सत्तारूढ़ और विपक्षी पार्टियों के बीच एक दूसरे के प्रति नफरत का भाव हो। अब पार्टियों के बीच निजी दुश्मनी हो गई है। संसद और राज्यों की विधानसभाओं में पार्टियों के नेता एक दूसरे से दुआ सलाम करने से घबरा रहे हैं कि कहीं उनके शीर्ष नेता ने देख लिया या पता चल गया तो उसके नंबर कट जाएंगे।

अगर पहले सामाजिक विभाजन की बात करें तो इतने गहरे विभाजन की शुरुआत 80 बनाम 20 की राजनीति से हुई थी और यूजीसी के नियमों से अंतिम मुकाम तक पहुंची है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भले 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' की बात कही लेकिन उनकी पार्टी की नीतियों और नेताओं के बयानों से यह संदेश गया कि भाजपा को 20 फीसदी अल्पसंख्यकों, जिनमें मुस्लिम, सिख और ईसाई तीनों शामिल हैं उनके वोट नहीं चाहिए। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तो खुल कर 80 और 20 की बात कही। उन्होंने बंटोगे तो कटोगे का नारा दिया। प्रधानमंत्री ने भले ऐसा कोई नारा नहीं दिया लेकिन जब भाजपा ने लोकसभा चुनाव में एक भी मुस्लिम को टिकट नहीं दिया और एक भी मुस्लिम को मंत्री नहीं बनाया गया तो बिना कहे यह सिद्धांत स्थापित हुआ।

मुसलमानों को अलग थलग करने की जो राजनीति शुरू हुई थी उसमें राज्यवार दूसरी चीजें जुड़ती गईं। बिहार और उत्तर प्रदेश में मुस्लिम के साथ साथ यादव को अलग थलग किया गया। हरियाणा में जाट को, महाराष्ट्र में मराठों को, झारखंड में आदिवासियों को अलग थलग किया गया। कहीं गैर यादव पिछड़ी व अन्य जातियों का समीकरण बनाया गया तो कहीं गैर मराठा तो कहीं गैर आदिवासी का समीकरण बनाया गया। अब इस विभाजनकारी राजनीति का अगला मुकाम सामान्य जातियों को अलग थलग करने का है। उच्च शिक्षण संस्थानों में भेदभाव खत्म करने के लिए यूजीसी की ओर से जो नियम लाए गए हैं, जिनको भेदभावकारी बता कर सुप्रीम कोर्ट ने रोक दिया है, वो इसी प्रयोग का हिस्सा हैं।

भारतीय जनता पार्टी के नेता और उसकी सरकार के मंत्री अब खुल कर कह रहे हैं कि वे देश के गरीबों, पिछड़ों, दलितों और आदिवासियों के लिए काम कर रहे हैं। सरकार की पूरी स्कीम ऑफ थिंग्स में से सामान्य जातियों को बाहर कर दिया गया है। इससे सामाजिक स्तर पर इतना अविश्वास बढ़ा है कि जाति पूछ कर यूनिवर्सिटी कैम्पस में छात्रों पर हमले हो रहे हैं। दिल्ली यूनिवर्सिटी के कैम्पस में एक ब्राह्मण पत्रकार की जाति पूछ कर उसके ऊपर हमला किया गया। विपक्ष खास कर राहुल गांधी की बहुजन राजनीति से घबरा कर भाजपा ने यह प्रयोग किया। उसको लग रहा है कि सामान्य जातियां उसको बाई डिफॉल्ट वोट देंगी। लेकिन अब यह वोट का मामला नहीं रह गया है। जहां तक गहरे राजनीतिक विभाजन की बात है तो इसकी शुरुआत 'कांग्रेस मुक्त भारत' के नारे से हुई थी। प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेंद्र मोदी ने यह नारा दिया था।

छत्तीसगढ़ बजट 2026-27: ज्ञान-गति और संकल्प पर बल

जब सरकार बजट में लाइवलीहुड की बात करती है तब उसका मतलब होता है कि ऐसे कार्यक्रम और योजनाएं जिससे लोगों की आय बड़े और रोजगार के अवसर पैदा हो सके

प्रो.बी. एल. सोनेकर

समावेशी विकास व आर्थिक असमानता दूर करने के लिए पिछड़े क्षेत्र (बस्तर व सरगुजा पर) विशेष ध्यान दिया गया। परिवहन-मुख्यमंत्री बस सेवा पिछड़े क्षेत्रों में कनेक्टिविटी सुगम होगा व इन क्षेत्रों में पर्यटनको बढ़ावा मिलेगा तथा इससे रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। स्वास्थ्य सुविधाओं को उपलब्ध, किफ़ायती, सुलभ बनाने के लिए नए संस्थान मेडिकल कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज खोलने के प्रस्ताव से स्वास्थ्य सुविधाओं की गुणवत्ता के स्तर को बेहतर करने में कारगर साबित होगा।

छुतगामी सड़क योजना जिससें आर्थिक केंद्र जुड़कर आर्थिक गतिविधियों में तेजी लाने में एक अहम पहल है। यात्री उड़ानों को पुनः शुरू होने से क्षेत्र में एयर कनेक्टिविटी बेहतर होगी जिससे ट्रैवल टाइम घटेगा।

उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए उद्योगों को सब्सिडी में तीन गुना वृद्धि से रोजगार के नए अवसर के साथ-साथ उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा। छत्तीसगढ में क्रिटिकल मिनरल की खोज पर बल दिया जा रहा है जो भविष्य में छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर एक अलग पहचान दिलाने में सहायक सिद्ध होगा। कॉलेज को उत्कृष्टता केंद्र के रूप में उन्यन करने हेतु 5 महाविद्यालयों को चुना गया है।जो अन्य सस्थानों के लिए भी एक रोल मॉडल का काम करेंगे और यह केवल पढ़ने लिखने तक सीमित न होकर नवाचार में वृद्धि करने में सहायक होगा। उच्च शिक्षा में अनुदान में वृद्धि करते हुए 731 करोड़ का प्रावधान है तथा कौशल विकास पर फोकस करते हुए 75 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। जनजातीय संस्कृति को देश-दुनिया तक पहुंचाने के लिए सुरगुडी स्टूडियो की पहल की गईहै। प्रवासी मजदूरों के लिए नया रायपुर में प्रवासी मजदूर आवासीय परिसर की स्थापना से प्रवासी मजदूरों को आवास की सुविधा मिलेगी, जिससे प्रवासी मजदूरों को लाभ होगा।

जब सरकार बजट में लाइवलीहुड की बात करती है तब उसका मतलब होता है कि ऐसे कार्यक्रम और योजनाएं जिससे लोगों की आय बड़े और रोजगार के अवसर पैदा हो सके और छत्तीसगढ़ की बड़ी आबादी प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से कहीं-कहीं कृषि क्षेत्र में पशुपालन, ग्रामोद्योग या वनों पर जुड़ी हुई है। यही कारण है कि सरकार विभिन्न आजीविका योजनाएं चलाई जा रही है।

जैसे- ग्रामीण विकास कार्यक्रम के अंतर्गत अनेक योजनाएं चलाई जा रहे हैं ताकि पलायन काम हो और गांव का भी विकास हो सके। इसी प्रकार महिला सशक्तिकरण के अंतर्गत सरकार स्वस्थ सहायता कार्यक्रम और महतारी वंदन योजना भी चला रही है। ताकि महिला आर्थिक रूप से सशक्त हो सके इसी प्रकार आत्मनिर्भर छत्तीसगढ़ को बनाने के लिए सरकार छोटे उद्योग कृषि पशुपालन बढ़ावा दे रहे हैं । न केवल लोगों को रोजगार मिल सके बल्कि गांव का भी विकास हो सके इसीलिए सरकार इस बजट में लाइवलीहुड को अपने संकल्प पर स्थान दिया है ताकि छत्तीसगढ़ विकसित राज्य की ओर बढ़ सके।

शासन में सुधार के लिए ई-फाइल बायोमेट्रिक अटेंडेंस की शुरुआत की गई है तथा योजनाओं की मॉनिटरिंग के लिए अटल मॉनिटरिंग पोर्टल की स्थापना की गई है। बजट 2026 27 में कुल प्राप्तियां 1 लाख 72 हजार करोड़ तथा विनियोग का आकार 1 लाख 87 हजार 500 करोड़ है,-राज्य का सकल वित्तीय घाटा 28,900 करोड अनुमानित है, जिसमें-ऋण से 8 हजार 500 करोड़, शुद्ध वित्तीय घाटा 20 हजार 400 करोड़ है जो कि राज्य के सकल घरेलू उत्पाद का 2.87 प्रतिशत है जो कि पिछले बजट अनुमान से 2.97 प्रतिशत की तुलना में कम है।

लेखक अर्थशास्त्र अध्ययन शाला पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.) हैं।

टिप्पणी

सौदा पारदर्शी हो

बड़ी ताकतें अपनी कंपनियों को सौदा दिलवाने के लिए भारत को महज एक बाजार के रूप में देखती हैं। मगर भारत को उनके दबाव में नहीं आना चाहिए। यह भी जरूरी है कि सौदा पारदर्शी हो, ताकि उसको लेकर विवाद पैदा ना हो।

फ्रांस से राफेल लड़ाकू विमानों को खरीदने का फैसला तत्कालीन यूपीए सरकार ने किया था। प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेंद्र मोदी ने उसे आगे बढ़ाया, लेकिन उन्होंने खरीदारी की शर्तों में उलटफेर कर दी। इसी कारण मोदी सरकार ने जब पहली बार राफेल विमानों को खरीदा, तो उस सौदे पर ना सिर्फ भारत, बल्कि फ्रांस में भी बड़े विवाद हुए। दोनों जगहों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे। मगर वह दीगर मामला है। उस विवाद को विमानों की गुणवत्ता पर प्रतिकूल टिप्पणी नहीं माना जाएगा। हां, पिछले वर्ष ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान ने कई भारतीय राफेल विमानों को मार गिराने का दावा किया था, तो जरूर विमानों की तत्परता से संबंधित प्रश्न उठे।

बहरहाल, उस दावे की सच्चाई क्या है, इस बारे में भारत सरकार ने अभी तक कुछ नहीं कहा है। इस बीच चार दिन के उस सीमित युद्ध ने भारत की रक्षा तैयारियों में और दम लगाने की जरूरत निर्विवाद रूप से जाहिर किया। यह भी साफ हुआ कि आगे की लड़ाइयों में वायु सेना की प्रमुख भूमिका होगी। अतः भारतीय वायु सेना की लड़ाकू विमानों की जरूरत को पूरा करना अनिवार्य है। अब केंद्र ने 114 राफेल विमानों को खरीदने का जो फैसला किया है, उसे इसी संदर्भ में देखा जाना चाहिए। फ्रेंच कंपनी दसॉ के राफेल विमान उन्नत तकनीक से लैस हैं, यह आम धारणा है। चूंकि भारत के पास पहले ये विमान हैं, इसलिए उन्हें ही खरीदना भी सही निर्णय माना जाएगा।

अब समझ यह बनी है कि आधुनिक हथियार एवं उपकरण उच्च तकनीक से संचालित हैं, वैसे में एक जैसे सिस्टम अधिक कारगर हो रहे हैं। इसलिए भारत को अलग-अलग देशों से सिस्टम खरीदने की नीति पर पुनर्विचार करना चाहिए। बड़ी ताकतें अपनी कंपनियों को सौदा दिलवाने के लिए भारत जैसे देशों को महज एक बाजार के रूप में देखती हैं। मगर भारत को उनके दबाव में नहीं आना चाहिए। उसे अपनी जरूरतों के अनुरूप सौदे करने चाहिए। फिर यह भी जरूरी है कि हर सौदा पारदर्शी हो, ताकि उसको लेकर उस तरह का संदेह पैदा ना हो, जैसा पिछले राफेल सौदे के समय हुआ था।

ब्लॉग

बच्चों को सोशल मीडिया के असर से बचाने की जरुरत

अजीत द्विवेदी

देश में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई का सम्मेलन चल रहा है। एआई के आर्थिक, सामरिक इस्तेमाल और उसके असर की व्याख्या हो रही है। दुनिया भर के विशेषज्ञ दिल्ली में हैं। और इसके समानांतर इस बात की भी चर्चा हो रही है कि बच्चों और किशोरों को सोशल मीडिया के इस्तेमाल से कैसे बचाया जाए। जब से ऑस्ट्रेलिया ने 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर पाबंदी लगा दी है और सभी सोशल मीडिया कंपनियों को यह सुनिश्चित करने को कहा है कि किसी भी बच्चे का अकाउंट उनके प्लेटफॉर्म पर नहीं होना चाहिए तब से भारत और दुनिया भर के देशों में इस तरह की चर्चा शुरू हो गई है। भारत में आंध्र प्रदेश सरकार की ओर से इसकी पहल हो रही है कि 15 साल तक की उम्र के बच्चों को सोशल मीडिया से कैसे दूर रखा जाए। हो सकता है कि ऑस्ट्रेलिया के टेम्पलेट का इस्तेमाल करके यहां भी पाबंदी लगाई जाए।

इसके साथ ही इस प्रतिबंध के असर को लेकर भी बहस छिड़ गई है। यह सवाल उठ रहे हैं कि क्या सोशल मीडिया पर पाबंदी बच्चों को इसके असर से बचाने का रामबाण उपाय है? इसके पक्ष और विपक्ष दोनों में तर्क दिए जा रहे हैं। लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं है कि पाबंदी का समर्थन और विरोध करने वाले दोनों पक्ष इस बात पर सहमत हैं कि बच्चों को सोशल मीडिया के असर से बचाने की जरुरत है। बचाने के तरीके को लेकर जरूर मतभेद हैं। अमेरिका और यूरोप में कुछ दिन पहले हुए सर्वेक्षणों से पता चला कि इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ कि जेन जेड यानी 1997 से 2013 के बीच जन्मे बच्चे अपने से पहले वाली पीढ़ी यानी मिलेनियल्स के मुकाबले कम बुद्धिमान हैं। यह पहली बार है, जब कोई पीढ़ी अपने से पिछली पीढ़ी से कम बुद्धिमान हैं और इसका मुख्य कारण स्मार्ट फोन या दूसरे स्मार्ट गैजेट्स और सोशल मीडिया है। टेलीविजन को भी इडियट बॉक्स कहते थे लेकिन उसने बच्चों के सोचने, समझने की क्षमता को उतना प्रभावित नहीं किया, जितना इंटरनेट से कनेक्टेड गैजेट्स और सोशल मीडिया ने किया है।

सोचें, इस समय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी कृत्रिम बुद्धि की वजह से दुनिया संज्ञानात्मक क्रांति (कॉग्निटिव रिवोल्यूशन) के मध्य में है और दूसरी ओर संचार क्रांति ने एक पूरी पीढ़ी की बुद्धिमता छीन ली है! क्या कृत्रिम बुद्धिमता के फलने फूलने के लिए जरूरी है कि प्राकृतिक बुद्धिमता का क्षरण हो? बहरहाल, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म सिर्फ बच्चों और किशोरों की संज्ञानात्मक क्षमता को प्रभावित नहीं कर रहे हैं, बल्कि उनकी सामाजिकता और मानसिक व शारीरिक क्षमता को

भी प्रभावित कर रहे हैं। बच्चे और किशोर निराशा और अवसाद का शिकार हो रहे हैं। उनके अंदर कुंठा बढ़ रही है और सामाजिकता कम होती जा रही है। वे अपनी एक दुनिया रचने लगे हैं और कई बार यह उनके लिए जानलेवा साबित हो रहा है। पिछले ही दिनों दिल्ली से सटे गाजियाबाद में तीन बहनों के आत्महत्या करने की खबर आई थी। उनको सोशल मीडिया की ऐसी लत लगी थी कि वे अपनी वास्तविक दुनिया से बेखबर हो गईं थीं और एक आभासी दुनिया में रहने लगी थीं, जिसकी परिणति तोनों की मृत्यु में हुई।

लेकिन क्या इस तरह की घटनाओं को रोकने और बच्चों व किशोरों को स्क्रीन एडिक्शन यानी फोन व सोशल मीडिया की लत से बचाने का एकमात्र तरीका यह है कि सोशल मीडिया पर पाबंदी लगा दी जाए? ध्यान रहे कोई भी पाबंदी बहुत खराब आर्थिक नीति मानी जाती है लेकिन यह सिर्फ आर्थिक नीति का मामला नहीं है, बल्कि इसके दूसरे पक्ष भी हैं। उन सबको ध्यान में रख कर ही कोई भी प्रयास किया जाना चाहिए। इसमें भेड़चाल के लिए कोई जगह नहीं है। ऑस्ट्रेलिया ने पाबंदी लगा दी और स्पेन के प्रधानमंत्री ने भी टिकटॉक से लेकर, यूट्यूब, स्नैपचैट, फेसबुक, इंस्टाग्राम जैसे लोकप्रिय सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बच्चों के लिए पाबंदी लगाने की योजना का ऐलान किया है। इसकी देखादेखी कुछ और देश ऐसा करेंगे और भारत में भी इसकी मांग होगी और लोकप्रिय भावना को संतुष्ट करने के लिए हो सकता है कि कुछ कदम उठा भी लिए जाएं लेकिन उससे कोई समाधान नहीं होगा।

सबसे पहले तो यह समझने की जरुरत है कि बच्चों और किशोरों में स्क्रीन की जो लत लगी है वह टेक्नोलॉजी या सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की समस्या नहीं है। यह एक सामाजिक व पारिवारिक समस्या है, जिसमें तकनीक को विलेन बनाया जा रहा है। इसके समाधान के लिए सबसे पहले यह सवाल पूछने की जरुरत है कि स्क्रीन का एडिक्शन पहले किसको हुआ? सोशल मीडिया की लत पहले किसको लगी? क्या ऐसा नहीं कि परिवार के बड़े, बुजुर्ग पहले इस लत का शिकार हुए और फिर बच्चों की बारी आई? क्या यह सही नहीं है कि कोरोना महामारी के बाद की स्थितियों ने भी इस परिघटना को जन्म दिया? क्या पढ़ाई, लिखाई में स्मार्ट फोन या स्मार्ट गैजेट्स के इस्तेमाल को इसके लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है? जाहिर है यह एक संश्लिष्ट समस्या है, जिसका समाधान पाबंदी के एक कामचलाऊ तरीके से निकालने की कोशिश हो रही है। अगर इसकी बहुआयामी जटिलता को समझते हुए समाधान निकालने का प्रयास नहीं हुआ तो पाबंदी लगाने से कुछ नहीं होगा।

वैसे भी किसी भी चीज पर पाबंदी कभी भी कामयाब नहीं होती है, बल्कि उससे समस्या उलझती जाती है और साथ ही नई समस्याएं भी पैदा होती हैं। वैसे भी बच्चों या किशोरों को सोशल मीडिया के इस्तेमाल से रोकना एक मुश्किल काम होगा। भारत जैसे देश में यह और भी मुश्किल होगा। पहले तो सोशल मीडिया पर अकाउंट बनाने वाले के उम्र और पहचान का वेरिफिकेशन बहुत मुश्किल होगा। अगर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सरकारी दस्तावेज जमा कराए जाते हैं तो प्राइवेसी कंप्रोमाइज्ड होने से लेकर पहचान के दुरुपयोग का खतरा अलग पैदा होगा।

इस तरह की पाबंदियों से बच्चों और किशोरों को, जो तकनीकी रूप से ज्यादा सक्षम और जानकार हैं, डार्क वेब या दूसरे गोपनीय तरीके आजमाने के लिए मजबूर होना पड़ेगा, जिसके एक नया खतरा पैदा हो सकता है। इसी तरह कई बार सोशल मीडिया बच्चों व किशोरों को तनाव से निकलने का रास्ता भी देता है। वे अपने हमउम्र बच्चों से इससे जुड़े होते हैं, जिनसे उनको भावनात्मक संबल मिलता है। कई जानकार यह भी मानते हैं कि महिलाओं के सशक्तिकरण में इस तकनीक और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की एक भूमिका रही है। इन पर पाबंदी महिलाओं को, खास कर युवा महिलाओं को निगेटिव तरीके से प्रभावित करेगी। ध्यान रहे भारत में पुरुषों के मुकाबले महिलाओं का इंटरनेट एक्सेस बहुत कम है।

तभी सवाल है कि अगर पाबंदी कोई समाधान नहीं है तो क्या किया जाए? सबसे पहले तो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को न्यूनतम जांच सुनिश्चित करने का सख्त निर्देश दिया जाए। इसके बाद उनके कंटेंट को लेकर भी उनको जिम्मेदार ठहराया जाए। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को सुनिश्चित करना होगा कि किस किस्म का कंटेंट कौन एक्सेस करेगा। इसके बाद अश्लील और हिंसक कंटेंट को पूरी तरह से रोकने का नियम बनाने की जरुरत है। भारत में गेमिंग को रेगुलेट करने के नियम आए हैं। एडिक्ट करने वाले गेम और अश्लील कंटेंट को रोकने के सख्त नियम बनाए जाएं और उनको लागू कराया जाए।

पैरेंटल कंट्रोल को आसान बनाया जाए ताकि कम पढ़े लिखे लोग भी अपने घर के स्मार्ट गैजेट्स में इसका इस्तेमाल करके यह तय कर सकें कि उनके बच्चे क्या कंटेंट देख सकते हैं। इसके बाद स्कूल, कॉलेज, कोचिंग आदि में स्मार्ट गैजेट्स के इस्तेमाल को न्यूनतम किया जाए। मिसाल के तौर पर एक छोटी पहल यह हो सकती है कि बच्चे स्कूल जाते हैं तो होमवर्क और दूसरा कोई भी निर्देश उनको स्कूल में ही दिया जाए, जैसा पहले होता था। होमवर्क और दूसरे निर्देश व्हाट्सऐप पर भेजना बंद कर दिया जाए। नियमित स्कूल जाने वाले बच्चों की ऑनलाइन पढ़ाई को भी कम से कम किया जाना चाहिए। इसके बाद समाज और परिवार की मूल्य पद्धति को रीसेट करने की जरुरत है। अगर परिवार के बड़े, बुजुर्ग स्मार्ट गैजेट्स का इस्तेमाल कम करते हैं तो वे बच्चों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। इस किस्म के कई छोटे छोटे कदम हैं, जिनसे सोशल मीडिया के निगेटिव असर को कम किया जा सकता है।

नगर निगम की लापनवाही: बकाया नहीं फिर भी किया मकान सील, चार घंटे कैद रहे दादी-पोता, छूटी बच्चे की परीक्षा

आर्यावर्त संवाददाता

अलीगढ़। अलीगढ़ नगर निगम के संपत्ति कर विभाग की लापरवाही और मनमानी एक बार फिर सुर्खियों में आ गई है। आवास विकास कॉलोनी के निवासी स्व. गंगा सिंह के परिवार को संपत्ति पर बकाया दिखाकर 27 फरवरी को घर सील कर दिया। जिससे उनके पोते अंशुमन सिंह की नौवीं कक्षा की परीक्षा छूट गई।

वार्ड नंबर 19 के आवास विकास कालोनी निवासी गंगा सिंह का निधन 2018 में हो गया। उनके परिजनों ने अपने मकान नंबर 2297 पर 7,194 रुपये का संपत्ति कर जुलाई में ही जमा कर दिया था। रसीद भी थी, लेकिन नवंबर में निगम के कर विभाग ने 57,446 रुपये का संपत्ति कर का नया बिल थमा दिया। परिवार ने विभाग में जाकर रसीद दिखाई, लेकिन अधिकारियों ने कान पर जूं तक नहीं रेंगने दी। 27 फरवरी को करीब साढ़े आठ बजे कर संग्रहक प्रभात गौतम के साथ निगम की टीम पहुंच गई। आवास के बाहर नोटिस चस्पा कर बिना सोचे-समझे मकान पर सील लगा दी, जिससे गंगा सिंह की पत्नी और पोता अंशुमन अंदर कैद हो गया।

अंशुमन गगन पब्लिक स्कूल में कक्षा नौ का छात्र है। 27 फरवरी को उसकी सुबह 10 बजे से केमिस्ट्री की परीक्षा थी। किसी तरह से अंशुमन पड़ोसी के घर से निकलकर स्कूल पहुंचा, लेकिन छात्र को स्कूल प्रशासन ने भीतर प्रवेश नहीं करने दिया। इस कारण उसकी परीक्षा छूट गई। उसने अपने पिता योगेंद्र प्रताप सिंह को दी तो उन्होंने इसकी शिकायत नगर निगम के अधिकारियों से की। मामले को कर विभाग के अधिकारियों ने जांचा तो बकाया जमा मिला। ऐसे में उनके पसीने छूट गए। चार घंटे बाद करीब साढ़े 12 बजे सील खोली गई, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

जीआईएस सर्वे की गड़बड़ी से एक ही मकान के दो बिल जारी हो गए थे। जिसका नोटिस भी जारी किया गया था। शुक्रवार को टीम आवास पर पहुंची और आधा घंटे तक दरवाजा खटखटाती रही, लेकिन कोई बाहर नहीं आया। मकान में दो गेट थे, जिस कारण एक गेट को सील किया गया। परीक्षा छूटने के बारे में कोई जानकारी नहीं है।

- बेचन प्रसाद, टीएस, जोन दो नगर निगम

नगर निगम की लापरवाही से परिवार उत्पीड़न कर शिकार हुआ। बकाया जमा करने के बाद भी मकान पर सील लगाने से कालोनी में छवि भी धूमिल हुई है। साथ ही बेटे की परीक्षा भी छूट गई है। फर्जी नोटिस, मनमानी कार्रवाई और नागरिकों के बातों को अनदेखी करना अधिकारियों की शगल बन गई है।

- योगेंद्र प्रताप सिंह, पीड़ित

रोजा रखने से समूह में सहानुभूति का माहौल उत्पन्न हो ता है : मौलाना फकीह हैदर

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। समाज में रोज़े का योगदान भी अत्यधिक महत्वपूर्ण है। यह एक विशाल दीवार की तरह काम करता है जो फिजूलखर्ची और व्यर्थ के खर्चों को रोकता है, और समाज के विभिन्न वर्गों के बीच आर्थिक असमानता को समाप्त करने में मदद करता है। रोज़ा अमीर और गरीब के बीच समानता और संतुलन स्थापित करने में सहायक है, क्योंकि यह अमीरों को यह एहसास दिलाता है कि गरीबों की स्थिति क्या है और उन्हें अपनी ज़िम्मेदारी समझाकर उनकी मदद करने की प्रेरणा देता है। यह माहौल समाज में एकता और सहानुभूति को बढ़ावा देता है और हमें यह सिखाता है कि हम सब एक ही इंसानियत के हिस्से हैं, और हर व्यक्ति की मदद करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।

रोज़ा रखने से समुदाय में एकता और सहानुभूति का अद्वितीय माहौल उत्पन्न होता है, जो समाज को आपसी समझ और सहयोग की ओर अग्रसर करता है। इस पवित्र महीने की आध्यात्मिक महिमा न केवल हमारे दिलों को रोशन करती है, बल्कि यह हमें हमारी जिम्मेदारियों का सच्चा एहसास भी कराती है, जिससे हम अपने जीवन को और अधिक श्रेष्ठ और बेहतर बनाने के लिए प्रेरित होते हैं। इस महीने में हम अपनी ईमानदारी, नेक इरादों और सच्चाई की ओर लौटते हैं, और अल्लाह से अपने पापों की माफी मांगते हैं, साथ ही अपने समाज में भी एक सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास करते हैं। क्या हम रमज़ान के इस पवित्र माह के अवसर पर अपने आत्मिक और सामाजिक कर्तव्यों को पूरी निष्ठा से निभाकर, अपने जीवन को अच्छाई और सचाई की ओर मोड़ सकते हैं?

खड़े टैंकर में ट्रक ने मारी टक्कर, चालक की मौत खलासी घायल

आर्यावर्त संवाददाता

बल्दीराय/सुलतानपुर। शनिवार को पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। सुलतानपुर जनपद के हलियापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत माइल स्टोन 87.5 के पास मार्ग किनारे खड़े एक गैस से भरे टैंकर में पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रक का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में ट्रक चालक धर्मेंद्र पुत्र राजेंद्र निवासी बहोरापुर, थाना अखंडनगर की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं खलासी रूप किशोर पुत्र रामदास को मामूली चोटें आईं। उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद परिजनों को सौंप दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही यूपीडा टीम और हलियापुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। घायलों को एंबुलेंस से 100 सैया संयुक्त चिकित्सालय, पिठला कुमारगंज (अयोध्या) ले जाया गया,

जहां डॉक्टरों ने चालक को मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि टैंकर में गैस भरी हुई थी और टक्कर के बाद गैस का रिसाव शुरू हो गया, जिससे आसपास के क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया। एहतियातन पुलिस ने यातायात को रोककर डायवर्ट कर दिया। दमकल विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर गैस रिसाव को नियंत्रित करने की कार्रवाई शुरू की। थानाध्यक्ष वंदना अग्रहरी पुलिस बल के साथ मौके पर स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। पुलिस ने मृतक का पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और घटना की जांच जारी है।

बच्ची से दुष्कर्म की कोशिश करने वाला जमील 20 साल जेल में रहेगा, कोर्ट ने कहा– ऐसे लोग समाज के लिए घातक

आर्यावर्त संवाददाता

बरेली। बरेली के स्पेशल जज पॉक्सो एक्ट नरेंद्र प्रकाश ने पांच साल की बच्ची से दुष्कर्म की कोशिश के दोषी बिथरी चैनपुर थाना क्षेत्र की एक कॉलोनी निवासी जमील उर्फ बड़े को 20 साल की कैद और 15 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि सजा नीति का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना होना चाहिए कि अपराधी बिना दंड के न रह जाए। पीड़िता के साथ-साथ समाज को भी इस बात की संतुष्टि हो कि न्याय हुआ है।

बिथरी चैनपुर थाना क्षेत्र की एक कॉलोनी के निवासी व्यक्ति ने 22 जनवरी 2025 को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसकी पांच साल की बेटी दोपहर एक बजे घर के बाहर खेल रही थी। कॉलोनी का ही जमील उर्फ बड़े उसे चीज दिलाने के बहाने ले गया। कमरे का दरवाजा अंदर से बंद करने के बाद उसने बच्ची से दुष्कर्म की कोशिश की।

बच्ची को ढूंढते हुए पहुंची मां ने बमुश्किल दरवाजा खुलवाया तो आरोपी वहां से भाग गया। जांच के बाद पुलिस ने चार्जशीट दाखिल कर दी। अभियोजन पक्ष की ओर से पेश साक्ष्यों और बच्ची के बयानों के आधार पर कोर्ट ने जमील को दोषी करार दिया।

ऐसे लोग समाज के लिए घातक : कोर्ट

सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष की ओर से दलील दी गई कि आरोपी का पहला अपराध है। वह गरीब है। मुकदमा लड़ने के लिए वकील की फीस तक उसके पास नहीं थी। ऐसे में उसके लिए डीएलएसए की ओर से वकील उपलब्ध कराया गया है। कोर्ट ने कहा कि अभियुक्त ने घृणित अपराध किया है। पीड़िता की मनोदशा पर भी इसका गंभीर प्रभाव पड़ा है। ऐसे लोग समाज के लिए अत्यंत घातक होते हैं। दोषसिद्ध 50 वर्ष से अधिक उम्र का है और उसने पांच साल की बच्ची के साथ अपराध किया है। उसे कड़ी से कड़ी सजा देने पर ही समाज में विधि का शासन स्थापित हो सकेगा।

पॉक्सो एक्ट में दोषी सगे भाइयों समेत तीन को पांच-पांच साल की कैद

स्पेशल जज पॉक्सो एक्ट ने शुक्रवार को पॉक्सो एक्ट में दोषी बहेड़ी के एक मोहल्ले के निवासी कृष्णपाल उर्फ छोटू, बंटी मौर्य (सगे भाई) और टीकाराम को पांच-पांच साल की कैद और 22-22 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। एक महिला ने बहेड़ी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि दो जनवरी 2018 की रात सात बजे कृष्णपाल उसके घर में घुस आया।उसने नाबालिग बेटी से छेड़खानी की। बेटी के चीखने पर परिवार के लोग जाग गए। इसके बाद कृष्णपाल गालियां और जाति सूचक शब्दों से अपमानित करते हुए चला गया। कुछ देर के बाद कृष्णपाल ने अपने भाई बंटी और दोस्त टीकाराम के साथ आकर मारपीट की। विवेचना के बाद पुलिस ने चार्जशीट दाखिल कर दी।अभियोजन की ओर से सुनवाई के दौरान चार गवाह पेश किए गए। दोनों पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने कृष्णपाल, बंटी और टीकाराम को पॉक्सो एक्ट, मारपीट में दोषी करार देते हुए कैद व जुर्माने की सजा सुनाई।

शहर में बवाल के आरोपियों ने जमानत के लिए किया हाईकोर्ट का रुख

शहर में 26 सितंबर को हुए बवाल के आरोपी जमानत के लिए हाईकोर्ट का रुख करने लगे हैं। आठ आरोपियों ने हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दाखिल की थी। बारादरी थाने में दर्ज मामले में नामजद अजमल रफी की अग्रिम जमानत याचिका कोर्ट ने स्वीकार कर ली है। नामजदों में अग्रिम जमानत का यह पहला मामला है।

बवाल के आठ आरोपियों ने अग्रिम जमानत मांगी थी। सात की जमानत याचिकाओं पर सुनवाई के लिए कोर्ट ने अगली तारीख तय कर दी है। बवाल के 22 आरोपियों को अब तक जिला सत्र न्यायालय व हाईकोर्ट से नियमित जमानत मिल चुकी है। 10 आरोपियों की नियमित जमानत याचिकाएं अदालतों में विचाराधीन हैं। दो अन्य आरोपियों की जमानत याचिकाएं कोर्ट निरस्त कर चुका है। मुख्य आरोपी मौलाना तौकीर रजा की ओर से भी उसके वकील ने जमानत के लिए हाईकोर्ट का रुख किया है। हाई कोर्ट में पांच जमानत याचिकाओं पर 13 मार्च को सुनवाई होनी है।

'बदला ले लिया, तीन गोलियां मारी हैं', जिला पंचायत सदस्य के देवर और कारोबारी का पुलिस चौकी के पास कत्ल

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। मुरादाबाद के कुंदरकी नगर में पुलिस चौकी के पास शुक्रवार की शाम करीब सवा सात बजे तरावीह पढ़कर घर लौट रहे जिला पंचायत सदस्य के देवर एवं टायर कारोबारी मो. अनीस (48) की गोली मारकर हत्या कर दी गई। उन्हें पीठ में तीन गोलियां मारी गई हैं।

वारदात के बाद हत्या के आरोपी मो. फरमान ने सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल करने के बाद कहा कि उसने हत्या कर अपना बदला ले लिया है। उसने पिस्टल दिखाते हुए कहा कि उसने इससे तीन गोलियां मारी हैं। चुनाव की रंजिश में इसे अंजाम देने की बात की है।

कुंदरकी के ब्लॉक के पास रहने वाले मो.अनीस टायर कारोबारी हैं। इनकी पाकबड़ा में टायर की दुकान है। साथ ही मो. अनीस के चचेरे भाई

हाजी रफी की पत्नी मेहजबी वार्ड नंबर 23 से जिला पंचायत सदस्य हैं।

तरावीह की नमाज पढ़कर लौट रहे थे कारोबारी

मो. अनीस शुक्रवार की शाम ताज महल बिल्डिंग के पास मदरसे में तरावीह की नमाज पढ़ने को गए थे। शाम करीब सवा नौ बजे से लौट रहे थे। इसी दौरान घर के सामने हमलावरों ने गोलियां बरसा दीं और कुछ ही मिनट वारदात को अंजाम देकर भाग निकले। चार से पांच राउंड फायरिंग हुई। जिसमें कारोबारी के तीन गोलियां लगीं।

घर के सामने ही कारोबारी की हत्या से इलाके में सनसनी फैल गई। घटना स्थल पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने क्राइम सीन को कवर किया और फोरेंसिक टीम ने घटना स्थल पर बिखरा खून और दो चप्पलों से साक्ष्य जुटाए हैं।

हत्या के कुछ घंटे बाद कातिल ने सोशल मीडिया पर शेयर किया वीडियो

टायर कारोबारी अनीस की हत्या के चंद घंटों बाद ही सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हुआ। जिसमें एक युवक अपना नाम मो. फरमान बताया है। फरमान का कहना कि उसने ही अनीस की हत्या की। जिसके तीन चार गोलियां मारी हैं।

पिता को जान से मारने की दी थी धमकी

फरमान ने यह भी बताया कि उसके पिता अनीस के रिश्तेदार का ट्रक चलाते हैं। नगर में ताज महल बिल्डिंग पर चुनाव में अनीस ने उस पर चोरी का इल्जाम लगाया था और कमरे में बंद करके मारपीट की थी। साथ ही उसे और पिता को जान से मारने की धमकी दी थी और मुझे जान का खतरा था।

इसलिए मैंने उसको मार दिया है। इस वारदात में उसके परिवार, दोस्तों और करीबियों को परेशान न किया जाए। फरमान ने वीडियो में हत्या में इस्तेमाल हथियार भी दिखाया जिससे उसने गोलियां बरसाईं थीं। एसपी देहात कुंवर आकाश सिंह ने बताया कि आरोपी की तलाश की जा रही है।

भाई और बेटे ने हमलावरों का किया पीछा

कारोबारी अनीस अहमद के कुछ फासले से उनके भाई, बेटा और अन्य लोग चल रहे थे जबकि अचानक हमलावर ने फायरिंग की तो वह दौड़कर भाग आए। जिसके बाद घायल कारोबारी को परिजनों को संभलने में जुटे गए।

जिस स्थान पर हत्या की वारदात हुई है उसके बगल में ब्लॉक कार्यालय, दूसरी साइड में बैंक शाखाएं और पुलिस चौकी है। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे खंगाले तो उनके में अनेक कैमरे बंद मिले हैं। पुलिस से देर रात में जांच में जुटी रही कि हत्या को कैसे और किसने अंजाम दिया है।

घूंघट में चेहरा, हाथों में लट्ठ : मथुरा के नौहझील में हुरियारों पर बरसीं प्रेम पगी लाठियां, आनंदित हो उठे लोग

आर्यावर्त संवाददाता

मथुरा। ब्रज की सतरंगी छटा और कान्हा-राधा के अलौकिक प्रेम का प्रतीक 'लठामार होली' शनिवार को कस्बा नौहझील में पूरी भव्यता के साथ आयोजित की गई। ठाकुर राधा श्याम सुंदर मंदिर के सौजन्य से आयोजित इस उत्सव में परंपरा और उल्लास का ऐसा संगम दिखा कि समूचा कस्बा 'होरी रे रसिया' के जयघोष से गुंजायमान हो उठा। लठामार होली का आनंद लेने के लिए न केवल स्थानीय लोग, बल्कि दूर-दराज के क्षेत्रों से आए श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा।

उत्सव का शुभारंभ ठाकुर राधा श्याम सुंदर मंदिर में पूजा-अर्चना के साथ हुआ, जहाँ मंदिर के महंत ईश्वर चंद्र शास्त्री ने हुरियारे और हुरियारिनों का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। दोपहर साढ़े 11 बजे जब भगवान का डोला रथ पर सवार होकर निकला, तो वातावरण भक्तिमय हो गया। राधा

की सखियों के रूप में सजी-धजी हुरियारिनें, जो लहंगा-चुन्नी और आभूषणों से सुसज्जित थीं, घूंघट की ओट से जब हुरियारों पर प्रेम पगी लाठियां बरसा रही थीं, तो द्वापर युग की जीवंत झलक दिखाई दी। कृष्ण के सखा बने हुरियारे ढालों के सहारे खुद को बचाते नजर आए, लेकिन हुरियारिनों के वार के आगे उनकी ढालें भी छोटी पड़ गईं। इस हास-परिहास और मीठी नोकझोंक ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया।

नगर भ्रमण के दौरान यह भव्य शोभायात्रा बाजना रोड, अयोध्या कुंज, चामड़ चौराहा, होली चौक और रेतिया बाजार जैसे प्रमुख मार्गों से गुजरी, जहाँ कस्बावासियों ने पुष्प वर्षा कर और पटुका पहनाकर हुरियारों का अभिनंदन किया। जगह-जगह श्रद्धालुओं के लिए शर्बत, शीतल पेय और जलपान की व्यवस्था की गई थी।अब रामलीला मैदान में लठामार होली,छड़ीमार होली जारी है।सुरक्षा की दृष्टि से थाना प्रभारी सोनू सिंह और पुलिस बल मुस्तैद रहा, जिससे यह भव्य आयोजन शांतिपूर्ण और हर्षोल्लास के साथ जारी है।

चीनी मिल बंदी की असली वजह 250–300 करोड़ की बहुमूल्य जमीन : विपिन प्रकाश सिंह

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। जिले की इकलौती किसान सहकारी चीनी मिल को अचानक बंद करने का फैसला जिले की सियासत में गर्मी ला रहा है। समाजवादी पार्टी के युवा नेता विपिन प्रकाश सिंह दीपक ने इसे किसानों के साथ बड़ा धोखा बताते हुए भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने खुलासा किया कि मिल बंद करने का मुख्य मकसद 14 हेक्टेयर की कीमती जमीन को बेचना है, जिसकी वर्तमान बाजार कीमत 250 से 300 करोड़ रुपये तक आंकी जा रही है।

श्री सिंह ने कहा यह सोंची समझी साजिश है। मिल को बिना किसी पूर्व सूचना, नोटिस या गन्ना समितियों से चर्चा के पेराई प्रक्रिया रोक दी। यह नियमों का खुला उल्लंघन है। हजारों किसान प्रभावित हैं उनके गन्ने खेतों में खड़े हैं, अब मजबूरन कम दाम पर निजी मिलों में बेचने को विवश हैं, जिससे करोड़ों का नुकसान हो रहा है। नेता ने आरोप लगाया कि मिल की मरम्मत के नाम पर आए करोड़ों रुपये में गड़बड़ी हुई, फंड का दुरुपयोग किया गया, जबकि कोई ठोस मरम्मत नहीं हुई। इस सत्र में मिल की क्षमता 22 लाख क्विंटल गन्ना पेराई करने की थी, लेकिन जानबूझकर रोका गया। श्री सिंह ने बताया कि मिल की 14 हेक्टेयर (लगभग 25-30 लाख विश्वा) जमीन आज बाजार में 250 से 300 करोड़ रुपये मूल्य की है। यही जमीन बंदी का असली कारण है। बसपा शासन में मिल बेचने की कोशिश हुई थी, जिसमें बाजाज ग्रुप, बलराम ग्रुप और जेपी ग्रुप जैसे बड़े नाम इच्छुक थे, लेकिन किसानों-कर्मचारियों के विरोध और हाईकोर्ट के हस्तक्षेप से रुकी। पूर्व सांसद मेनका गांधी और मुख्यमंत्री ने नवीनीकरण का वादा किया था, जो महज जुमला साबित हुआ। सपा नेता ने किसानों से एकजुट होकर विरोध करने की अपील की और कहा कि सपा सत्ता में लौटते ही मिल को मजबूत बनाकर किसानों का हक सुनिश्चित किया जाएगा।

तौल ठप, गन्ना सूख रहा, किसानों में आक्रोश

हैदरगढ़ चीनी मिल के गन्ना क्रय केंद्र पर पिछले तीन दिनों से तौल कार्य पूरी तरह बंद है। परिणामस्वरूप केंद्र परिसर में डेढ़ हजार कुंतल से अधिक गन्ना पड़ा सूख रहा है। किसानों को तेजी से वजन घटने के कारण भारी आर्थिक नुकसान हो रहा है, जिससे भुगतान भी प्रभावित होगा। कुड़वार के प्रभावित किसान आनन्द प्रकाश मिश्रा, लल्लू लाल पाठक, विवेक सिंह, प्रदीप पाठक आदि ने बताया कि समय पर तौल न होने से गन्ने की गुणवत्ता और वजन दोनों घट रहे हैं। वे कहते हैं, हमारा मेहनत का फसल बर्बाद हो रहा है, जिम्मेदार कौन।

एमईएस कॉलोनी स्टेशन पर फिलहाल नहीं रुकेगी मेरठ साउथ से मोदीपुरम जाने वाली मेट्रो, ये है वजह

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। दिल्ली-मेरठ आरआरटीएस (नमो भारत) कॉरिडोर के एमईएस कॉलोनी स्टेशन का उपयोग करने वाले यात्रियों के लिए महत्वपूर्ण सूचना है। तकनीकी खराबी के कारण इस स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर एक पर फिलहाल ट्रेनों का ठहराव बंद कर दिया गया है। एनसीआरटीसी का कहना है कि यात्रियों की सुरक्षा और परिचालन संबंधी कारणों से यह निर्णय लिया है।

मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पुनीत वत्स ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि कुछ तकनीकी समस्या के कारण मेरठ साउथ से मोदीपुरम जाने वाली मेट्रो फिलहाल एमईएस कॉलोनी स्टेशन पर नहीं रुकेगी। यात्रियों की सुविधा के लिए स्टेशनों पर लगातार घोषणाएं की जा रही हैं और नोटिस भी लगाए गए हैं। प्रशासन ने यात्रियों को सलाह दी है कि व्यवस्था सामान्य

होने तक वे एमईएस स्टेशन के बजाय उससे पहले या अगले स्टेशन का उपयोग करें। अधिकारियों ने आश्वस्त किया है कि इस बदलाव के कारण यात्रियों को किसी प्रकार की बाधा नहीं आने दी जाएगी। साथ ही बताया कि मोदीपुरम से मेरठ साउथ जाने वालीं मेट्रो इस स्टेशन पर रुकेंगी।

व्यवस्था की कमी से यात्री परेशान, एक घंटे तक नहीं दिया बाहर जाने

एमईएस स्टेशन पर मेट्रो को न रोके जाने के निर्णय की जानकारी एनसीआरटीसी ने पहले यात्रियों को नहीं दी थी। इस लापरवाही का खमियाजा आम यात्रियों को भुगतना पड़ा। शुक्रवार को शताब्दीनगर से एमईएस स्टेशन के लिए यात्रा कर रहे अजय कुमार भी इस लापरवाही का शिकार हुए। उन्होंने आरोप लगाया कि पहले तो उन्हें मेट्रो के एमईएस स्टेशन पर नहीं रुकने की जानकारी नहीं दी गई और जब उन्होंने स्टेशन स्टाफ से बात की तो उन्होंने अभद्र व्यवहार किया। करीब एक घंटे तक उन्हें स्टेशन से नहीं जाने दिया। स्टाफ उनसे 210 रुपये जुर्माना मांग रहा था, हालांकि बाद में उच्चाधिकारियों के हस्तक्षेप के बाद यात्री को जाने दिया गया।

अजय कुमार ने बताया कि उन्होंने 30 रुपये का ऑनलाइन टिकट लेकर शाम 4:50 बजे शताब्दी नगर से अपनी यात्रा शुरू की। आरोप है कि जब वह एमईएस स्टेशन पहुंचे तो मेट्रो नहीं रुकी। इस पर उन्होंने आपातकालीन बटन के जरिए महिला चालक से संपर्क किया। चालक ने तकनीकी खराबी का हवाला देते हुए उन्हें अगले स्टेशन डोरली पर उतरने को कहा। अजय ने बताया कि जब वह डोरली स्टेशन पर उतरे तो वहां तैनात कर्मचारी ने उनकी बात सुनने के बजाय उन पर गलत स्टेशन पर आने का आरोप लगाया और वापस एमईएस जाकर ही बाहर निकलने की बात कही।

अजय ने बताया कि जब दूसरी मेट्रो से वापस एमईएस स्टेशन पहुंचे तो वहां के एएफसी गेट पर भी उनका टिकट स्कैन नहीं हुआ। आरोप है कि एमईएस स्टेशन पर तैनात कर्मचारी ने अपनी गलती मानने के बजाय उन पर 210 रुपये का जुर्माना ठोक दिया। जब उन्होंने विरोध किया तो कर्मचारियों ने पुलिस बुला ली और उन्हें लगभग एक घंटे तक स्टेशन से जाने नहीं दिया। यात्री का आरोप है कि स्टेशन के कर्मचारियों को खुद इस बात की जानकारी नहीं थी कि उनके स्टेशन पर ट्रेनें नहीं रुक रही हैं।

उच्चाधिकारियों के हस्तक्षेप के बाद मिली राहत

बाद में यात्री ने जनसंपर्क अधिकारी पुनीत वत्स से संपर्क किया। मामला संज्ञान में आते ही पुनीत वत्स ने मेट्रो के वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिए, जिसके बाद बिना जुर्माना वसूले अजय कुमार को स्टेशन से बाहर जाने दिया गया। इस घटना ने एनसीआरटीसी के कर्मचारियों के प्रशिक्षण और स्टेशनों के बीच संचार व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

न बनें सेहत का दुश्मन! गर्मियों में फ्रिज से जुड़ी ये गलतियां बनाती हैं हमें बीमार

गर्मी का सीजन लगभग दस्तक दे चुका है और इसमें फ्रिज में चीजों को रखते समय कई गलतियां दोहराई जाती हैं। स्टोर करने को लेकर कंफ्यूजन भी चलती है। थैलियों में सब्जियों को स्टोर करने से गूंथा हुआ आटा रखने जैसे कई तरीके हैं जिनका खास ध्यान रखना चाहिए। चलिए आपको बताते हैं...

भारत के अधिकतर हिस्सों में गर्मी का मौसम लगभग दस्तक दे चुका है। गर्मी, तेज धूप और पसीने की वजह से चिड़चिड़पन तक होने लगता है। इस वजह से ज्यादातर लोग समर सीजन को पसंद तक नहीं करते हैं। ये सीजन और भी कई तरह की समस्याएं लेकर आता है जिसमें एक फ्रिज में क्या स्टोर करें और क्या नहीं, ये भी शामिल है। फ्रिज में चीजों को रखते समय कई गलतियां दोहराई जाती हैं जिससे न सिर्फ चीजों का बल्कि सेहत को भी नुकसान पहुंचता है। इस आर्टिकल में हम आपको बताने जा रहे हैं कि हमें भूल से भी फ्रिज हमें फ्रिज से जुड़ी किन गलतियों को दोहराने से बचना चाहिए। साथ ही किन चीजों को फ्रिज में रखना नहीं चाहिए।

दरअसल, सर्दी में कुछ चीजें बाहर खराब नहीं होती लेकिन गर्मी बढ़ने पर इन्हें फ्रिज में स्टोर करना जरूरी बन जाता है। हालांकि, कुछ मामलों में चीजों की न्यूट्रिशन वैल्यू तक प्रभावित होती है। वहीं कुछ का स्वाद तक बिगड़ जाता है। जानें किन चीजों को फ्रिज में रखने की गलती हमें नहीं करनी चाहिए।

फ्रिज से जुड़ी गलतियां जो जरूर दोहराते हैं लोग

गर्मी के सीजन में लोग अपने एसी या कूलर की खूब चिंता करते हैं लेकिन फ्रिज की देखभाल में कहीं न कहीं कमी छोड़ देते हैं। गर्मी में जितनी चिंता एयर कंडीशनर की करते हैं उतनी ही फ्रिज की भी करनी चाहिए। समर सीजन में इसे फुल भर देने से गैस का फ्लो बिगड़ जाता है और कंप्रेसर पर एक्स्ट्रा बोझ आ जाता है। कभी-कभी तो इस वजह से कंप्रेशर की गैस तक लीक हो जाती है।

-कई ग्रहणियां फ्रिज में कई दिनों तक मलाई या दूसरी चीजों को स्टोर करती है। इसकी गंदगी की वजह से भी फ्रिज का गैस फ्लो बिगड़ता है और गैस लीक होने के आसार बन जाते हैं।

-मार्केट से सब्जियां लाकर उन्हें थैलियों में ही स्टोर करना भी गलत है। ये जगह ज्यादा लेती है और कई रिसर्च में सामने आया है कि इस वजह से सब्जियों में केमिकल रिएक्शन भी होता है। सबसे बढ़िया तरीका है कि इन्हें पहले अच्छे से धोएं और स्टोर करने के लिए बॉक्स या कम स्पेस का यूज करें।

-इसके अलावा फ्रिज के ऊपर या आसपास सटाकर भी चीजों को नहीं रखना चाहिए। ओवरहीट होने के कारण आग का खतरा रहता है।

-फ्रिज को डिफ्रॉस्ट करने का खास ख्याल रखें क्योंकि बर्फ अगर जम रही है और अगर इसे टाइम से रिमूव न किया जाए तो कई नुकसान होते हैं। एक तरफ जहां फ्रिज की लाइफ कम होती है दूसरी तरफ इसमें रखी गई चीजें भी खराब हो जाती हैं।

फ्रिज की साफ-सफाई न की जाए तो भी इसकी लाइफ कम होने लगती है। गंदगी की वजह से फ्रेश सब्जियां या फलों में भी बदबू होने लगती है। ऐसे में आपकी सेहत पर भी खतरा मंडराने लगता है।

-फ्रिज के टेंपरेचर पर भी ध्यान दें। ज्यादा कूलिंग पर टेंपरेचर सेट कर देने सॉल्यूशन नहीं है। ऐसे ज्यादा बर्फ जमने लगती है जिस वजह से भी फ्रिज में गैस का फ्लो बिगड़ने लगता है।

-सबसे जरूरी है कि अपने फ्रिज को एयर कंडीशनर की तरह आराम दें। बहुत कम लोग इस बात का ध्यान रखते हैं। गर्मी में चीजों को ठंडा रखने का प्रेशर फ्रिज पर बढ़ जाता है। कोशिश करें कि इसे दो घंटे के लिए बंद करें।

फ्रिज में न रखें ये चीजें

प्याज और आलू- अगर आप फ्रिज में प्याज को रखते हैं तो इस वजह से इसमें नमी आने लगती है। वहीं आलू के साथ भी कुछ ऐसा ही है। इस वजह से ये दोनों चीजें सड़ने तक लगती हैं। इतना ही नहीं फ्रिज में इनकी बदबू तक बनी रहती है।

ब्रेड- क्या आप जानते हैं कि अगर फ्रिज में ब्रेड को रखा जाए तो ये जल्दी सूखने लगती है। इस गलती के कारण ब्रेड की फ्रेशनेस खत्म होने लगती है। ब्रेड का स्वाद भी बिगड़ जाता है।

गूंथा हुआ आटा- भारतीयों के फ्रिज में रात या सुबह का गूंथा हुआ आटा जरूर स्टोर किया जाता है। इसे स्टोर करना गलत नहीं है लेकिन 7 से 8 घंटे के लिए ऐसा करना सेहत के लिए खतरनाक साबित होता है। इससे न सिर्फ न्यूट्रिशनल वैल्यू पर असर पड़ता है बल्कि आटे का स्वाद भी बिगड़ जाता है।

रोजाना 10 मिनट स्केचिंग करने की आदत कैसे डालें?

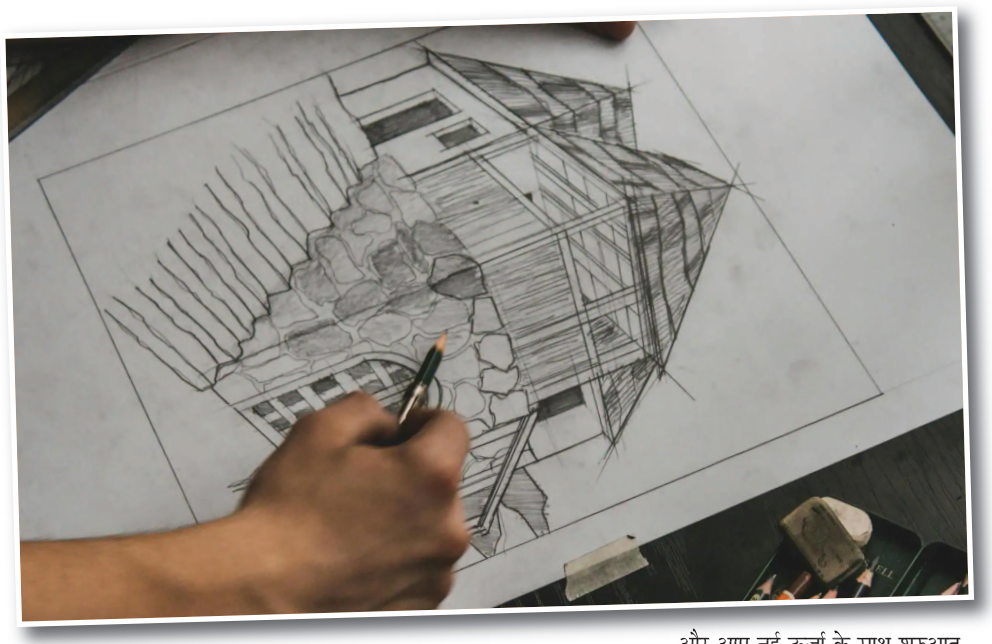

रोजाना 10 मिनट की स्केचिंग की आदत डालना एक सरल और असरदार तरीका है, जिससे आप अपनी रचनात्मकता को बढ़ा सकते हैं। यह आदत न केवल आपके दिमाग को शांत करती है, बल्कि आपके विचारों को साफ करने में भी मदद करती है। इस लेख में हम आपको कुछ आसान कदम बताएंगे, जिनसे आप इस आदत को आसानी से अपना सकते हैं और अपने जीवन में रचनात्मकता ला सकते हैं।

सही समय चुनें

रोजाना स्केचिंग के लिए सही समय चुनना बहुत जरूरी है। सुबह का समय सबसे अच्छा होता है क्योंकि इस समय आपका मन शांत होता है और आप नई ऊर्जा के साथ शुरुआत कर सकते हैं। अगर सुबह का समय संभव न हो तो शाम को भी आप यह कर सकते हैं, बस सुनिश्चित करें कि आपके पास बिना किसी रुकावट के 10 मिनट हों ताकि आप पूरी तरह से इस गतिविधि पर ध्यान केंद्रित कर सकें।

जरूरी सामान तैयार रखें

स्केचिंग के लिए जरूरी सामान जैसे पेंसिल, कागज और रबर हमेशा तैयार रखें। एक छोटा सा नोटबुक अपने पास रखें, जिसमें आप रोजाना कुछ नया बना सकें। अगर आप चाहें तो रंगीन पेंसिल या रंग भी उपयोग कर सकते हैं, जिससे आपके स्केच और भी सुंदर बनेंगे। इसके अलावा एक आरामदायक जगह चुनें जहां आप बिना किसी व्यवधान के स्केचिंग कर सकें और अपना पूरा ध्यान इस पर केंद्रित कर सकें।

बिना किसी दबाव के शुरू करें

स्केचिंग करते समय खुद पर कोई दबाव न डालें। यह सिर्फ एक अभ्यास है, इसलिए इसे मजे के रूप में लें। शुरुआत में सरल चित्र बनाएं जैसे पेड़, फूल या कोई भी साधारण वस्तु। धीरे-धीरे आप अधिक जटिल चित्र बनाने में सक्षम होंगे। अपने स्केच पर ज्यादा सोच-विचार न करें और बस अपने हाथों को स्वतंत्र छोड़ दें ताकि आपकी रचनात्मकता बेझिझक बह सके। इससे आपको स्केचिंग का असली मजा मिलेगा और आप नियमित रूप से इसे करने लगेंगे।

प्रेरणा लें

अपनी स्केचिंग क्षमताओं को सुधारने के लिए अन्य कलाकारों से प्रेरणा लें। इंटरनेट पर उपलब्ध विभिन्न वीडियो देखें या किताबें पढ़ें, जो आपको नए तरीकों और विचारों से अवगत कराएं। इसके अलावा अपने आसपास की दुनिया को ध्यान से देखें और उसमें से प्रेरणा लें। पार्क में टहलते हुए पेड़ों, फूलों या किसी भी वस्तु को ध्यान से देखें और उन्हें अपने स्केच में उतारने की कोशिश करें। इससे आपकी रचनात्मकता और भी बढ़ेगी।

नियमितता बनाए रखें

कोई भी आदत नियमितता से ही बनती है इसलिए रोजाना 10 मिनट स्केचिंग करने की कोशिश करें। अगर कभी भूल जाएं तो खुद को दोष न दें बल्कि अगले दिन फिर से इसे दोहराएं। धीरे-धीरे यह आपकी दिनचर्या का हिस्सा बन जाएगी और आपको इसके कई फायदे महसूस होंगे। इस तरह आप आसानी से अपनी रचनात्मकता बढ़ा सकते हैं और रोजाना 10 मिनट स्केचिंग करने की आदत डाल सकते हैं।

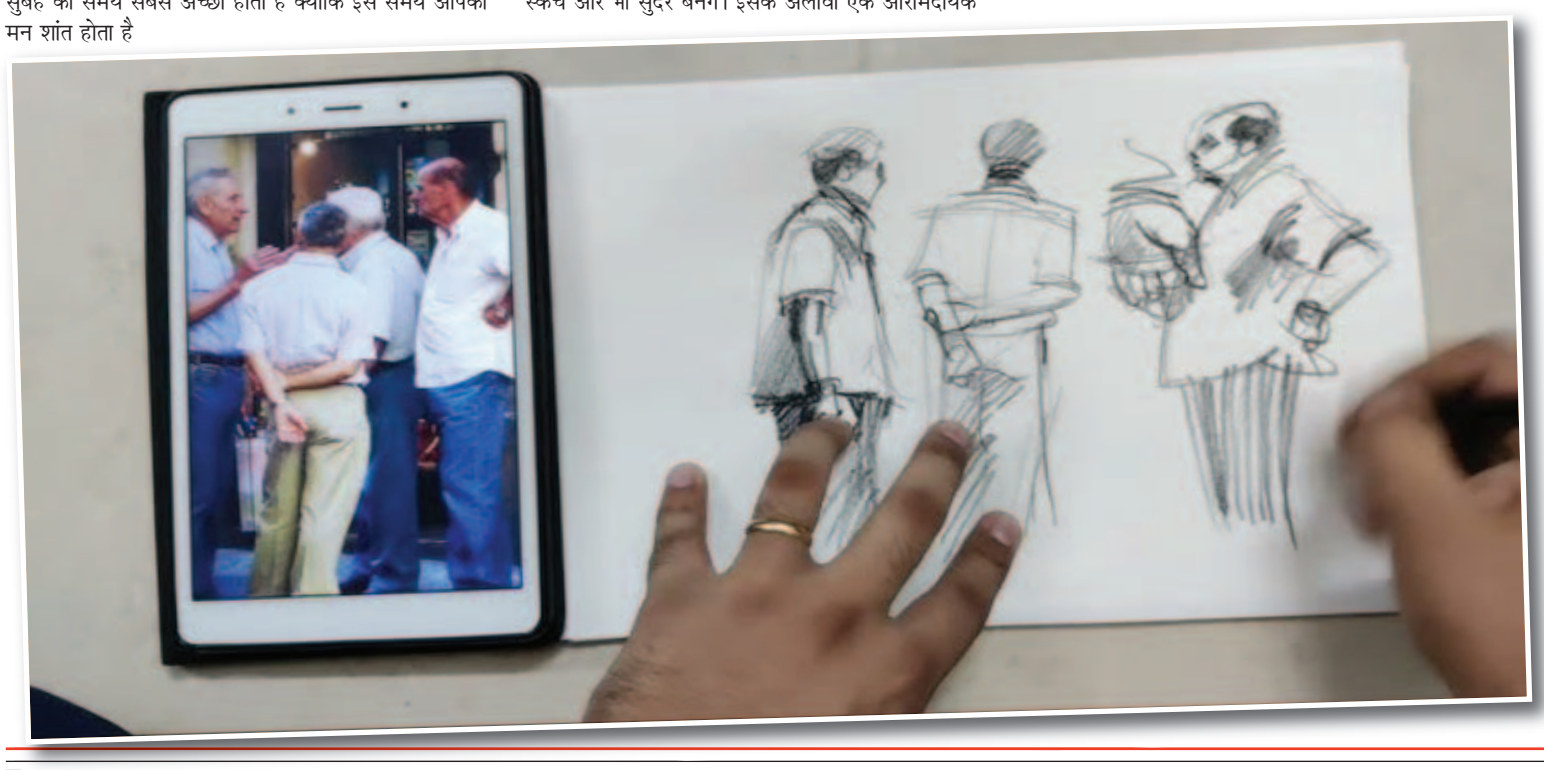

जोड़ों के दर्द को कम करने में मदद कर सकती हैं ये 5 जड़ी बूटियां

जोड़ों का दर्द अक्सर खराब जीवनशैली, गलत खान-पान और उम्र बढ़ने के कारण होता है। कई लोग इस समस्या से राहत पाने के लिए दवाइयों का सहारा लेते हैं, लेकिन इनके साथ कुछ जड़ी बूटियों का सेवन भी जोड़ने से दर्द से काफी राहत मिल सकती है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसी जड़ी बूटियों के बारे में बताते हैं, जो जोड़ों के दर्द को कम करने में मदद कर सकती हैं।

हल्दी

हल्दी में एक खास तत्व होता है, जो जोड़ों के दर्द को कम करने में मदद कर सकता है। यह तत्व सूजन और दर्द में राहत दिलाने में सहायक होता है। इसके लिए गर्म दूध में हल्दी मिलाकर पीना फायदेमंद हो सकता है। यह न केवल दर्द को कम करता है, बल्कि शरीर को अंदर से भी मजबूत बनाता है। नियमित सेवन से जोड़ों की सेहत में भी सुधार होता है।

अदरक

अदरक भी जोड़ों के दर्द को कम करने में सहायक होता है। इसमें एक खास तत्व होता है, जो सूजन कम करने में मदद करता है। अदरक की चाय या फिर सीधे अदरक का रस पीने से दर्द में राहत मिल सकती है। इसके अलावा अदरक का सेवन खाने में भी किया जा सकता है। अदरक के नियमित सेवन से जोड़ों की सेहत में सुधार होता है और दर्द में भी कमी आती है।

तुलसी

तुलसी को में कई प्रकार के विटामिन और खनिज होते हैं, जो जोड़ों की सेहत सुधारने में मदद करते हैं। इसमें मौजूद तत्व सूजन कम करने और दर्द निवारण में सहायक होते हैं। तुलसी की चाय पीने से या फिर तुलसी की पत्तियों का रस निकालकर पीने से भी जोड़ों का दर्द कम होता है। इसके अलावा तुलसी का सेवन खाने में भी किया जा सकता है।

लहसुन

लहसुन का सेवन भी जोड़ों के दर्द को कम करने में मदद कर सकता है। इसमें एक खास तत्व होता है, जो सूजन कम करने में मदद करता है। लहसुन की कली को कच्चा चबाने या फिर उसका तेल लगाकर मालिश करने से भी दर्द में राहत मिलती है। इसके अलावा लहसुन का सेवन खाने में भी किया जा सकता है। लहसुन के नियमित सेवन से जोड़ों की सेहत में सुधार होता है।

नीम

नीम को औषधीय गुणों का खजाना माना जाता है, जिसमें कई प्रकार के विटामिन और खनिज होते हैं, जो जोड़ों की सेहत सुधारने में मदद करते हैं। इसमें मौजूद तत्व सूजन कम करने और दर्द निवारण में सहायक होते हैं। नीम की पत्तियों का काढ़ा बनाकर पीने से या फिर नीम की पत्तियों का रस निकालकर पीने से भी जोड़ों का दर्द कम होता है। इसके अलावा नीम के तेल से मालिश करने से भी आराम मिलता है।

हिडेन चार्ज से लेकर नोटिफिकेशन, अब नहीं चलेगी बैंकों की मनमानी, भारतीय रिज़र्व बैंक ने कसा शिकंजा

आरबीआई ने बैंकों को जुलाई 2026 तक अपने ऐप्स और वेबसाइटों से डार्क पैटर्न वाली ट्रिक्स हटाने के लिए कहा है। अब बैंक बिना ग्राहकों की मंजूरी के हिडेन चार्ज या दूसरी सर्विस नहीं थोप पाएंगे।

भारत में अब बैंकों की मनमानी नहीं चलेगी। देश के रिजर्व बैंक ने अपने नए नियमों में नई गाइडलाइन बना दी है। अक्सर देखा है कि बैंकिंग ऐप खोलते ही लोन के साथ बीमा के कई नोटिफिकेशन एक साथ आ जाते हैं। साथ ही किसी सर्विस को क्लिक करते ही अनजाने में कुछ हिडेन चार्ज काट लिए जाते हैं। पर अब ऐसी समस्या का सामना ग्राहकों को नहीं करना पडेगा।

क्या है आरबीआई का नया नियम?

आरबीआई ने 'रिस्पांसिबल बिजनेस कंडक्ट अमेंडमेंट डायरेक्शन 2026' के ड्राफ्ट में साफ कहा है कि बैंकों को अपनी वेबसाइटों और मोबाइल ऐप्स से सभी तरह के डार्क पैटर्न को जड़ से खत्म करना होगा। इसके लिए जुलाई 2026 तक की डेडलाइन तय की है। यानी अब बैंक बिना ग्राहक की मजूरी के कोई भी सर्विस थोप नहीं पाएंगे।

क्या होते हैं यह डार्क पैटर्न?

डार्क पैटर्न असल में डिजिटल प्लेटफॉर्म पर इस्तेमाल की जाने वाली वो चालाक डिजाइन तकनीकें हैं, जिनका मकसद यूजर को कंफ्यूज करना होता है। जिसमे चेकआउट के समय अचानक सामने आने वाले हिडन चार्ज, जबरन सब्सक्रिप्शन, कंफ्यूज कर देने वाले ऑप्शन और लिमिटेड ऑफर या जल्द चुनें कहकर ग्राहकों पर दबाव बनाना शामिल है।

सर्वे में खुली पोल

इस फैसले के पीछे लोकलसर्किल्स का एक बड़ा सर्वे है।दरअसल 388 जिलों के करीब 1।61 लाख लोगों से मिले फीडबैक में यह सामने आया कि बैंकिंग ऐप्स पर ऐसी गुमराह करने वाली ट्रिक्स आम बात हो गई हैं। इसी वजह से आरबीआई अब डिजिटल बैंकिंग को ज्यादा से ज्यादा क्लियर और सेफ बनाने के लिए लग गया है।

ग्राहकों को होगा फायदा

आरबीआई के इस आदेश के बाद अब बैंक ऐप्स पर क्रॉस-सेलिंग यानी एक प्रोडक्ट के साथ दूसरा जबरन बेचना बंद होगा। अब बैंक को हर सर्विस के लिए आपसे मंजूरी लेनी ही होगी। जुलाई 2026 के बाद अगर कोई बैंक इन नियमों का तोड़ता है तो उस पर भारी जुर्माना भी लगाया जा सकता है। कुल मिलाकर अब स्क्रीन पर दिखने वाले डिलीट या स्किप बटन छोटे नहीं होंगे और ना ही बैंक आपको धोखे से किसी स्कीम में फंसा पाएंगे।

रेलवे में ऑनलाइन टिकट बुक करने का अब होगा ये तरीका, नए ऐप से यात्रा होगी आसान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रेलवे यूटीएस (अनरिजर्वड टिकटिंग सिस्टम) ऐप को बंद करने की तैयारी कर रहा है। मौजूदा समय में इस उपयोग अनारक्षित टिकट बुकिंग, प्लेटफॉर्म पास और सीजन टिकट आदि के लिए किया जाता है। इसकी जगह रेलवे का नया सुपर ऐप रेलवन लेगा और इसकी मदद से सभी प्रकार के टिकटों की बुकिंग की जा सकेगी।

यूटीएस ऐप को रेलवे द्वारा एक मार्च से बंद कर दिया जाएगा और इससे यात्री अनारक्षित टिकट बुकिंग, प्लेटफॉर्म पास और सीजन टिकट की बुकिंग नहीं कर पाएंगे। ऐसे में रेलवे ने यात्रियों को सलाह दी है कि वह सभी प्रकार की टिकट बुकिंग के लिए रेलवन ऐप का उपयोग करें। इस ऐप को रेलवे द्वारा पहले ही लॉन्च किया जा चुका है। रेलवन को एक एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म के रूप में पेश किया गया है जो एक ही इंटरफेस में कई कार्यों को समाहित करता है। इसका उद्देश्य देशभर के लाखों यात्रियों के लिए यात्रा को सरल बनाना है।

रेलवन ऐप का उपयोग करने के लिए यात्रियों को नया अकाउंट बनाने की आवश्यकता नहीं है। यूजर्स मौजूदा यूटीएस और आईआरसीटीसी लॉगइन की मदद से साइनअप कर सकते हैं। रेलवन ऐप दोनों एंड्रॉइड और आईओएस दोनों पर उपलब्ध है और इसे निशुल्क डाउनलोड किया जा सकता है। यह नया ऐप उन यात्रियों के लिए फायदेमंद साबित होने की उम्मीद है जो कभी-कभार ही ट्रेन का इस्तेमाल करते हैं। साथ ही, बिना रिजर्वेशन वाले टिकट बुक करने वाले दैनिक यात्रियों को भी नए प्लेटफॉर्म से फायदा होगा, क्योंकि इसका इंटरफेस पहले के प्लेटफॉर्म के मुकाबले काफी आसान है। कैशलेस यात्रा को बढ़ावा देने और यात्रियों को नए प्लेटफॉर्म पर आने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से, भारतीय रेलवे रेलवन ऐप के माध्यम से बुक किए गए अनारक्षित टिकटों पर डिजिटल माध्यमों से भुगतान करने पर 3 प्रतिशत की छूट दे रहा है। यह ऑफर 14 जनवरी से 14 जुलाई तक सीमित अवधि के लिए वैध है। यह केवल रेलवन के माध्यम से सीधे बुक किए गए टिकटों पर लागू होता है। यात्री छूट का लाभ उठाने के लिए यूपीआई, डेबिट या क्रेडिट कार्ड, नेट बैंकिंग और अन्य डिजिटल वॉलेट का उपयोग कर सकते हैं।

सोने की चमक ने बढ़ाई बैंकों की रफ़्तार! पर्सनल और कार लोन को पीछे छोड़ जनवरी का 'सुपरहिट' प्रोडक्ट बना गोल्ड लोन

नई दिल्ली, एजेंसी। पर्सनल और कार लोन से ज्यादा गोल्ड लोन कर्जदारों की पहली पसंद बन गए हैं। आंकड़े तो कुछ इसी तरह की कहानी बयां कर रहे हैं। हाल ही में जारी हुए आंकड़ों के अनुसार गोल्ड के बदले लोन में तेजी देखने को मिली है। जनवरी के महीने में साल-दर-साल 128 फीसदी का इजाफा देखने को मिला है, जबकि एक साल पहले यह 91 फीसदी था। आइएउ आपको भी बताते हैं कि आखिर रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की ओर जारी मंथली डाटा से किस तरह की जानकारी सामने आई है।

किस सेक्टर के लोन में कितनी आई तेजी

रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर को दिए गए लोन, जिसे सेंट्रल बैंक ने बैंकों के लिए जरूरी लोन माना है, दूसरे सबसे तेज़ी से बढ़े, जिसमें साल-दर-साल 62 फीसदी की बढ़ोतरी हुई, जबकि एक साल पहले यह 40 फीसदी था।

RBI के जारी मंथली सेक्टोरल डेटा से पता चला कि एक्सपोर्ट क्रेडिट साल-दर-साल 17।2 फीसदी गिरा, जबकि पिछले साल यह 7 फीसदी बढ़ा था, जो US टैरिफ में बदलाव के कारण ट्रेड से जुड़ी अनिश्चितताओं के असर को दिखाता है।

कुल मिलाकर नॉन-फूड क्रेडिट साल-दर-साल 14 फीसदी बढ़ा, जबकि एक साल पहले यह 11 फीसदी था।

रिटेल लोन में ज़ोरदार बढ़ोतरी जारी रही, जो साल-दर-साल 15 फीसदी बढ़ा, जबकि पिछले साल जनवरी में 12 फीसदी की बढ़ोतरी हुई थी।?

रिटेल में एजुकेशन लोन दूसरा सबसे तेज़ी से बढ़ने वाला सेगमेंट था, जो जनवरी 2026 में 14% बढ़ा, जबकि एक साल पहले इसी समय में 16% की ग्रोथ दर्ज की गई थी।

कॉर्पोरेट सेक्टर की ग्रोथ बढ़कर 12 फीसदी हो गई, जो एक साल पहले 8 फीसदी की ग्रोथ थी। जेम्स एंड ज्वेलरी और इंजीनियरिंग, दोनों में साल-दर-साल 36 फीसदी की ग्रोथ के साथ, इंडस्ट्रीज़ में सबसे तेज़ी से बढ़ने वाले सेक्टर थे।

क्रेडिट ग्रोथ डिपॉजिट से ज्यादा

15 फरवरी को खत्म हुए पखवाड़े में बैंक क्रेडिट साल-दर-साल 13।6 फीसदी बढ़ा, जबकि डिपॉजिट 11।2 फीसदी की धीमी रफ्तार से बढ़ा। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के डेटा से पता चला कि क्रेडिट-डिपॉजिट रेश्यो और बढ़कर 82।47 फीसदी हो गया।

हालांकि, हाल की क्रेडिट ग्रोथ और डिपॉज़िट ग्रोथ, दोनों में एक पखवाड़े पहले देखे गए प्रिंट की तुलना में गिरावट आई है। 31 जनवरी को खत्म हुए दो हफ्ते में बैंक क्रेडिट ग्रोथ 14।6 फीसदी दर्ज की गई, जबकि डिपॉजिट ग्रोथ 12।5 फीसदी रही।

अफगानिस्तान से हुई पिटाई, फिर शहबाज-मुनीर की पीठ क्यों थपथपा रहे ट्रंप?

काबुल। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच जंग जैसे हालात हैं। दोनों देशों की तरफ से एक दूसरे पर लगातार हमले किए जा रहे हैं। अब तक इन हमलों में सैकड़ों लोगों की जान जा चुकी है। इसके बाद भी दोनों देश एक दूसरे पर कार्रवाई जारी रखने की बात कहते नजर आ रहे हैं। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति का बयान भी सामने आया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने पाकिस्तान-अफगानिस्तान सैन्य विवाद के बीच शहबाज शरीफ और जनरल आसिम मुनीर की तारीफ की, उन्हें 'महान' बताया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने दोनों देशों के मौजूदा हालात पर US के हस्तक्षेप करने का भी संकेत दिया है। ट्रंप का यह बयान ऐसे समय आया जब दोनों देशों के बीच हवाई हमलों और 'खुली जंग' के आरोपों से तनाव चरम पर है, जिससे क्षेत्रीय टकराव बढ़ने का डर है। पाकिस्तान ने ड्रोन पर प्रतिबंध भी लगाया है।

जरूरत पड़ने पर करेंगे हस्तक्षेप- ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप से जब पूछा गया कि क्या अमेरिका इस विवाद को सुलझाने में भूमिका निभाएगा, तो उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ी तो वह हस्तक्षेप करेंगे। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के साथ उनके अच्छे रिश्ते हैं और वहां की लीडरशिप के साथ उनकी अच्छी समझ है।

दोनों देशों के बीच बिगड़ रहे रिश्ते

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तनाव चरम पर है, पिछले दो दिनों के भीतर हालात और बिगड़े हैं। पाकिस्तान ने काबुल कंधार और पक्तिया के कुछ हिस्सों में एयर स्ट्राइक करने का दावा किया है।इसके बाद पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने इसे खाली जंग बताया था। दूसरी ओर, अफगानिस्तान ने भी जवाबी कार्रवाई का दावा किया है।

पाकिस्तान ने लगाया ड्रोन पर प्रतिबंध

दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ने के बाद पाकिस्तान ने पूरे देश में कमर्शियल और निजी ड्रोन पर प्रतिबंध लगा दिया है। दूसरी तरफ अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसने पाकिस्तान के अंदर कुछ सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है। इनमें इस्लामाबाद के पास फैजाबाद, नौशेरा, जमरूद और एबटाबाद के ठिकाने शामिल बताए गए हैं।

हमलों से पाकिस्तान को नुकसान?

पाकिस्तान ने गजब लिल हक नाम का ऑपरेशन शुरू किया और काबुल समेत कई प्रांतों में हमले किए हैं। वहीं इन हमलों को लेकर पाकिस्तान का दावा है कि उसके मामले में 274 अफगान लड़ाके मारे गए, जबकि 400 से ज्यादा घायल हैं। अफगान मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक तालिबानी लड़ाकों ने एक पाकिस्तानी जेट भी मार गिराया है। हालांकि इसको लेकर आधिकारिक पुष्टि नहीं हो पाई है। अफगान सरकार का ये भी दावा है कि 23 पाकिस्तानी सैनिकों के शव उसके पास हैं।

पाकिस्तान के खिलाफ जिहाद, अफगानिस्तान की मस्जिदों से हो रहा ऐलान

काबुल। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच हालिया तनाव काफी गंभीर हो गया है. दोनों तरफ से बॉर्डर क्लैश, ग्राउंड अटैक और एयर स्ट्राइक होने के बाद एक बड़ी जंग का खतरा बढ़ गया है. वहीं अफगानिस्तान की कई मस्जिदों में शुक्रवार की नमाज के बाद पाकिस्तान खिलाफ जिहाद का ऐलान किया गया है. खोस्त प्रांत, पक्तिया प्रांत, पक्तिका प्रांत, लोगर प्रांत और कंधार प्रांत के लोगों ने न्यूज आउटलेट अफ़गानिस्तान इंटरनेशनल को बताया कि मौलवियों ने पाकिस्तान विरोधी मिलिटेंट ग्रुप्स से पाकिस्तानी मिलिट्री बेस पर हमले करने को कहा और पाकिस्तान के खिलाफ जिहाद का ऐलान किया. तालिबान अधिकारियों के बाद अफगानिस्तान के इमाम और जनता का गुस्सा पाकिस्तान की चिंता बढ़ा सकता है.

इसके अलावा तालिबान के इंटीरियर मिनिस्टर सिराजुद्दीन हक्कानी ने पाकिस्तान से ऐसे एक्शन न लेने की अपील की, जिससे ग्रुप को देश में बगावत और जिहाद का ऐलान करने पर मजबूर होना पड़ सकता है. जिसका मतलब है कि अगर पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आता है, तो अफगानिस्तान में जिहाद का ऐलान किया जाएगा, जिसके बाद तालिबान सेना ही नहीं बल्कि एक-एक शख्स पाकिस्तान के खिलाफ जिहाद करेगा.

दोनों ही पक्षों की ओर से नुकसान को लेकर अलग-अलग दावे किए जा रहा हैं. जहां अफगानिस्तान का कहना है कि पाक सेना ने आम लोगों पर हमला किया है, वहीं पाक सेना आतंकी ठिकानों पर स्ट्राइक करने की बात कह रही है. पाकिस्तान के दावे के मुताबिक 274 से 297

एंथ्रोपिक एआई के खिलाफ ट्रंप का बड़ा एक्शन, क्यों लिया फैसला और किसको होगा फायदा?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को ऐलान किया कि उन्होंने सभी फेडरल डिपार्टमेंट को एंथ्रोपिक की टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल बंद करने का निर्देश दिया है। ट्रंप ने ये कदम कंपनी के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) सेफ्टी स्टैंडर्ड्स को लेकर पेंटागन के साथ हुए टकराव के बाद उठाया है।

ट्रुथ सोशल पर शेयर की गई एक पोस्ट में ट्रंप ने कहा, "मैं यूनाइटेड स्टेट्स सरकार की हर फेडरल एजेंसी को एंथ्रोपिक की टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल तुरंत बंद करने का निर्देश दे रहा हूं। हमें इसकी ज़रूरत नहीं है, हम इसे नहीं चाहते हैं और हम उनके साथ दोबारा बिजनेस नहीं करेंगे!"

यह विवाद पेंटागन की एंथ्रोपिक के क्लाउड चैटबॉट के बिना रोक-टोक इस्तेमाल की मांग पर शुरू हुआ, जबकि कंपनी बड़े पैमाने पर निगरानी और ऑटोनॉमस हथियारों के खिलाफ लिमिट पर जोर दे रही है।

पेंटागन ने जारी की वार्निंग

डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिकी सरकारी एजेंसियों को एंथ्रोपिक प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल बंद करने का निर्देश देने के बाद पेंटागन ने एंथ्रोपिक PBC को सप्लाई-चेन रिस्क घोषित कर दिया।

डिफेंस सेक्रेटरी पीट हेगसेथ ने पेंटागन को अपने कॉन्ट्रैक्टर्स और उनके पार्टनर्स को एंथ्रोपिक के साथ किसी भी कमर्शियल एक्टिविटी से रोकने का आदेश दिया। एक्स पर एक पोस्ट में, हेगसेथ ने एंथ्रोपिक को AI सर्विसेज किसी दूसरे प्रोवाइडर को सौंपने के लिए छह महीने का समय तय किया है। हेगसेथ ने लिखा, "अमेरिका के लड़ाके कभी भी बिग टेक की सोच के बंधक नहीं बनेंगे। यह फैसला आखिरी है।"

एंथ्रोपिक और पेंटागन के झगड़े में किसको होगा फायदा

ट्रंप के निर्देश और पेंटागन के एक्शन के बाद आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस फर्म एंथ्रोपिक ने कहा कि वह कंपनी को सप्लाई-चेन रिस्क के तौर पर क्लासिफाई करने के पेंटागन के फैसले को कोर्ट में चुनौती देगी। इस लड़ाई से कॉम्पिटिटर चैटबॉट, ग्रोक को फायदा होने की संभावना है, जिसे पेंटागन क्लासिफाइड मिलिट्री नेटवर्क का एक्सेस देने की योजना बना रहा है और यह दो दूसरे कॉम्पिटिटर्स, गूगल और ओपनAI के लिए एक चेतावनी के तौर पर काम कर सकता है, जिनके पास भी मिलिट्री को अपने AI टूल्स सप्लाई करने के कॉन्ट्रैक्ट हैं।

तेहरान में अली खामेनेई के आवास पर मिसाइल हमला, बाल-बाल बचे ईरान के सुप्रीम लीडर

तेहरान, एजेंसी। इजराइल ने ईरान के सुप्रीम लीडर के सरकारी आवास और दफ्तर पर हमला किया है। यह हमला अमेरिका की मदद से किया गया है। हमले में सुप्रीम लीडर का घर पूरी तरह ध्वस्त हो गया है। हालांकि, हमले के वक्त सुप्रीम लीडर खामेनेई अपने आवास पर नहीं थे। उन्हें दूर के किसी बंकर में ले जाया गया है।

समाचार एजेंसी ISNA के मुताबिक शनिवार को इजराइल ने ईरान के खिलाफ पूर्ण युद्ध की शुरुआत की। इसके तहत तेहरान पर मिसाइल हमले किए गए। इसी दौरान इजराइल ने खामेनेई के सरकारी आवास Jomhouri Street पर भी अटैक किया।

बेटे मोजतबा के नियंत्रण में आवास

इजराइल के हमले के खतरे को देखते हुए पहले ही खामेनेई घर छोड़ गए थे। इस घर की कमान वर्तमान में उनके छोटे बेटे मोजतबा के हाथों में थी। वहीं सुप्रीम लीडर के हवाले से सारे फैसले ले रहे थे। हाल ही में ईरान के विपक्षी समूह पीपुल्स मुजाहिद संगठन के लड़ाकों ने इस आवास पर अटैक किया था। हालांकि, उस वक्त ईरान सेना ने उस हमले को कुंद कर दिया था।

इजराइल की मीडिया येदियोथ अहरोनोथ के मुताबिक तेल अवीव और वाशिंगटन ने कई मंत्रालयों और ईरान सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों को निशाना बनाकर यह ऑपरेशन लॉन्च किया है। दोनों की कोशिश इस्लामिक गणराज्य के सभी सुरक्षा ठिकानों को ध्वस्त करना है। इजराइल और अमेरिकी हमले को लेकर ईरान ने आधिकारिक प्रतिक्रिया दी है। ईरान सरकार के एक अधिकारी ने समाचार एजेंसी रॉयटर्स से कहा कि विनाशकारी जवाब दिया जाएगा। हम तुरंत जवाबी कार्रवाई करने जा रहे हैं।

राष्ट्रपति को भी मारने की कोशिश की

इजराइल मीडिया के मुताबिक हमले के तहत ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजेशकियन को भी मारने की कोशिश की गई है। पजेशकियन के दफ्तर पर भी इजराइल ने हमला किया है। पजेशकियन ईरान के दूसरे सबसे पावरफुल नेता हैं। पजेशकियन की पहल पर ही ईरान और इजराइल के बीच पिछली बार सीजफायर हुआ था।

शिक्षा मंत्री से लेकर एनसीआरटी की माफी बेकार, सुप्रीम कोर्ट ने क्या आदेश दे दिया, कि बड़ी बहस छिड़ गई?

नई दिल्ली, एजेंसी। आज न्यायपालिका का खून बह रहा है जो बहुत गंभीर चिंता का विषय है। जब यह किताब बाजार और सोशल मीडिया पर उपलब्ध है तो बाद में प्रकाशन वापस लेना किस प्रकार प्रभावी होगा। अगर शिक्षकों और छात्रों को यह सिखाया जाएगा कि न्यायपालिका भ्रष्ट है तो इससे समाज में भ्रम और गलत संदेश जाएगा। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत ने एनसीआरटी को भरे कोर्ट रूम में यह फटकार लगाई है। वजह है क्लास एट की किताब में जुडिशियल करप्शन सेक्शन शामिल करने पर मचा विवाद। न्यायपालिका में करप्शन से जुड़ा एक सेक्शन शामिल करने पर 26 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेकर सुनवाई की। इस दौरान सीजीआई सूर्यकांत बेहद नाराज नजर आए। सरकार की तरफ से सॉललीसिटर जनरल तुषार मेहता मामले की सुनवाई के दौरान पेश हुए थे। उन्होंने एनसीआरटी की गलती पर बिना शर्त माफी मांगी लेकिन सीजीआई इससे संतुष्ट नहीं दिखे। उन्होंने कहा कि यह जुडिशरी को बदनाम करने की एक गहरी सोची समझी साजिश लगती है। यह न्यायपालिका पर पहली गोली चलाने जैसा है। आज न्यायपालिका मीडिया में रक्त रंजित नजर आ रही है जो बहुत गंभीर चिंता का विषय है।

चीफ जस्टिस ने सवाल किया कि जब यह किताब बाजार और सोशल मीडिया पर उपलब्ध है तो बाद में प्रकाशन वापस लेना किस प्रकार प्रभावी होगा। उन्होंने यह भी साफ किया कि अगर शिक्षकों और छात्रों को यह सिखाया जाएगा कि न्यायपालिका भ्रष्ट है तो इससे समाज में भ्रम और गलत संदेश जाएगा। जब हम पर लगातार हमले हो रहे होते हैं तब हमें यह भली-भांति ज्ञात है कि संतुलन कैसे बनाए रखना है। यह कॉपी बाजार में उपलब्ध है। सुनवाई के दौरान सीजीआई यूजीसी पर भी नाराज हुए। उन्होंने कहा कि 24 फरवरी 2026 को इंडियन एक्सप्रेस में एक आर्टिकल छपने के बाद सुप्रीम कोर्ट के सेक्रेटरी जनरल से यह पता लगाने को कहा गया कि क्या एनसीआरटी को ऐसी किताब जारी करने के लिए कहा गया था।

ऐसे पेश किया, जैसे कोई कार्रवाई नहीं की

कोर्ट ने कहा कि जिस भाग में अध्याय पर विचार-विमर्श और अंतिम निर्णय लिया गया, उसकी बैठकों के मिनट्स अगली सुनवाई में पेश किए जाए। अदालत ने उल्लेख किया कि सबंधित अध्याय में न्यायाधीशों के खिलाफ प्राप्त शिकायतों की संख्या का इस प्रकार सदर्भ दिया गया है, जिससे यह आभास होता है मानो उन पर कोई कार्रवाई नहीं की गई हो। बेच ने यह भी कहा कि पूर्व मुख्य न्यायाधीश की टिप्पणियों को संदर्भ से अलग हटकर इस प्रकार प्रस्तुत किया गया, मानो खुद मुख्य न्यायाधीश ने भ्रष्टाचार के अस्तित्व को स्वीकार किया हो।

इसका प्रभाव अगली पीढ़ी तक पहुंचेगा: SC

न्यायालय ने यह भी कहा कि पुस्तक का प्रभाव केवल छात्रों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि उनके अभिभावको, व्यापक समाज और यहां तक कि अगली पीढ़ी तक भी पहुंचेगा। पीठ ने आगे कहा कि अध्याय में न्यायपालिका के ऐतिहासिक और सराहनीय कदमों, लोकतांत्रिक ढांचे को मजबूत करने में उसके योगदान का कोई उल्लेख नहीं है। कोर्ट ने कहा, 'यह मौन विशेष रूप से आपत्तिजनक है, जबकि इस न्यायालय ने अनेक उच्चाधिकारियों को भ्रष्ट आचरण और सार्वजनिक धन के दुरुपयोग के लिए कठोर फटकार लगाई है।'

क्या हुआ कोर्ट रूम में?

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बताया कि किताब में गलती के लिए एनसीईआरटी ने माफी मागी है। इस पर चीफ जस्टिस सूर्यकात ने कहा, 'एनसीईआरटी की प्रेस विज्ञप्ति में क्षमा का एक भी शब्द नहीं है। जब मैने सुप्रीम कोर्ट के सेक्रेटरी जनरल से समाचार रिपोर्ट के सबंध में जानकारी लेने को कहा था, तब एनसीईआरटी ने चैप्टर का बचाव किया था। सॉलिसिटर जनरल ने आश्वासन दिया कि जिन लोगों ने ऐसा किया, उन्हें भविष्य में एनसीईआरटी या किसी मंत्रालय से संबद्ध नहीं रखा जाएगा। इस पर चीफ जस्टिस ने कहा कि यह बहुत हल्का रिजल्ट होगा। सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि 'Justice delayed is justice denied' शीर्षक से एक अन्य समस्याग्रस्त अध्याय भी था, जिसमें लंबित मामलों के संबंध में गलत आंकड़े दिए गए थे।

राज्यसभा चुनावों के लिए टीएमसी ने मेनका गुरुस्वामी को बनाया उम्मीदवार, भारत को मिलेगी पहली एलजीबीटीक्यू+ सांसद

कोलकाता, एजेंसी। राज्यसभा चुनावों को लेकर ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस ने अपने चार प्रत्याशियों के नाम घोषित कर दिए हैं। इस घोषणा ने जहां पार्टी के भीतर उत्साह का माहौल बनाया है, वहीं भारतीय जनता पार्टी की पश्चिम बंगाल इकाई ने इसे लेकर तीखी प्रतिक्रिया दी है। इस पूरे घटनाक्रम के केंद्र में वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ. मेनका गुरुस्वामी का नाम सबसे अधिक चर्चा में है, जिन्हें संवैधानिक अधिकारों की मुखर पैरवी और ऐतिहासिक कानूनी हस्तक्षेपों के लिए जाना जाता है। हम आपको बता दें कि तृणमूल कांग्रेस की ओर से घोषित अन्य नामों में केंद्रीय मंत्री रह चुके बाबुल सुप्रियो, पश्चिम बंगाल के पूर्व पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार और प्रसिद्ध अभिनेत्री कोएल मलिक शामिल हैं। तृणमूल कांग्रेस ने अपने आधिकारिक वक्तव्य में कहा कि ये नाम पार्टी की दृढ़ता, लोकतांत्रिक मूल्यों और नागरिकों के अधिकारों तथा गरिमा की रक्षा के संकल्प का प्रतीक हैं।

डॉ. मेनका गुरुस्वामी के बारे में चर्चा करें तो आपको बता दें कि वह उच्चतम न्यायालय में वरिष्ठ अधिवक्ता हैं और देश में मानवाधिकार व संवैधानिक मूल्यों की सशक्त आवाज के रूप में पहचानी जाती हैं। उनका सबसे चर्चित योगदान भारतीय दंड संहिता की धारा 377 के खिलाफ संवैधानिक चुनौती में रहा। वर्ष 2018 में सुप्रीम कोर्ट ने ऐतिहासिक निर्णय देते हुए सहमति से बने समान लिंग संबंधों को अपराध की श्रेणी से बाहर कर दिया था। इस फैसले को भारत में समानता और गरिमा की दिशा में मील का पत्थर माना जाता है। इस मामले में मेनका गुरुस्वामी ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता, निजता और समानता के अधिकारों की जोरदार पैरवी की थी।

कानूनी जगत में उनकी पहचान केवल इसी मामले तक सीमित नहीं है। उन्होंने टीएसआर सुब्रमण्यम बनाम भारत संघ मामले में प्रशासनिक सुधारों के पक्ष में दलीलें दीं थीं, अगस्ता वेस्टलैंड मामले में वह पारदर्शिता के मुद्दों पर कानूनी बहस का हिस्सा रहीं थीं, उन्होंने सलवा जुडूम मामले में मानवाधिकारों के संरक्षण की बात उठाई थी और शिक्षा के अधिकार से जुड़े मामलों में भी सक्रिय भूमिका निभाई। इसके अलावा, यदि वह निर्वाचित होती हैं तो वह भारत की पहली एलजीबीटीक्यू प्लस सांसद बन सकती हैं। इस संभावना ने उनके नाम को केवल राजनीतिक ही नहीं बल्कि सामाजिक दृष्टि से भी ऐतिहासिक बना दिया है। साथ ही डॉ. मेनका गुरुस्वामी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान मिली है। उनका चित्र ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के रोड्स हाउस में प्रदर्शित है और वर्ष 2019 में टाइम पत्रिका ने उन्हें दुनिया के सौ प्रभावशाली लोगों की सूची में शामिल किया था। डॉ. मेनका गुरुस्वामी के साथ जिन अन्य नामों की घोषणा हुई है, वह भी अपने अपने क्षेत्र में प्रभावशाली रहे हैं। बाबुल सुप्रियो पहले केंद्र सरकार में मंत्री रह चुके हैं और वर्तमान में राज्य सरकार में मंत्री हैं। वह प्रशासनिक अनुभव और राष्ट्रीय राजनीति की समझ रखते हैं।

कई सुपरहिट फिल्में ठुकरा चुके हैं शाहिद कपूर, लिस्ट देख उड़ जाएंगे होश, 'रांझणा' और 'रॉकस्टार' भी शामिल

एक्टर शाहिद कपूर ने इंडस्ट्री को कई सफल फिल्में दी हैं, लेकिन कम ही लोग जानते हैं कि उन्होंने कई ब्लॉकबस्टर फिल्मों के ऑफर भी ठुकराए, जो बाद में सुपरहिट साबित हुईं।

शाहिद कपूर न केवल अपनी दमदार एक्टिंग, बल्कि शानदार डांस और स्टाइलिश अंदाज के लिए भी जाने जाते हैं। ये खूबियां उनकी हर फिल्म में दिखती हैं। पंकज कपूर के बेटे ने शाहिद कपूर की ठुकराई फिल्मों की लिस्ट में कई सुपरहिट फिल्में शामिल हैं। शाहिद ने व्यस्त होने के चलते, स्क्रिप्ट या किसी और वजह से ये प्रोजेक्ट्स छोड़े। आज शाहिद अपना जन्मदिन मना रहे हैं। आइए एक नजर डालते हैं फिल्मों की लिस्ट पर, जो उन्होंने छोड़ दी और बाद में जाकर वे फिल्में सुपरहिट साबित हुईं।

'रंग दे बसंती'

'रंग दे बसंती' साल 2006 में आई थी, राकेश ओमप्रकाश मेहरा की यह फिल्म पहले शाहिद कपूर को ऑफर हुई थी, लेकिन शूटिंग की व्यस्तता के कारण उन्होंने मना कर दिया। बाद में आमिर खान ने लीड रोल लिया। फिल्म में आमिर खान, आर. माधवन, सोहा अली खान और सिद्धार्थ के साथ कुणाल कपूर और शरमन जोशी जैसे सितारे शामिल हैं। यह बॉलीवुड की सबसे आइकॉनिक और सुपरहिट फिल्मों में से एक बनी।

'जिंदगी ना मिलेगी दोबारा'

'जिंदगी ना मिलेगी दोबारा', साल 2011 में रिलीज हुई, जिसका निर्देशन जोया अख्तर ने किया है। दोस्ती और जीवन की खूबसूरती को पर्दे पर उतारती फिल्म शाहिद को ऑफर हुई, लेकिन दूसरे प्रोजेक्ट्स के चलते उन्होंने इसे ठुकरा दिया। फिल्म में ऋतिक रोशन, फरहान अख्तर और अभय देओल लीड में थे। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित हुई और आज भी दर्शकों की फेवरेट है।

'रॉकस्टार'

इम्तियाज अली की म्यूजिकल रोमांटिक ड्रामा 'रॉकस्टार' भी साल 2011 में आई थी। यह फिल्म पहले शाहिद को ऑफर हुई, लेकिन उन्होंने 'जब वी मेट' चुन लिया था। बाद में रणबीर कपूर ने इसमें लीड रोल निभाया। फिल्म ने रणबीर को स्टार बना दिया और आज भी क्लासिक मानी जाती है।

'शुद्ध देसी रोमांस'

सुशांत सिंह राजपूत और परिणीति चोपड़ा की 'शुद्ध देसी रोमांस' फिल्म साल 2013 में आई थी। यह रोमांटिक ड्रामा पहले शाहिद को ऑफर हुई, लेकिन उन्होंने मना कर दिया। इसके बाद इसमें सुशांत सिंह राजपूत ने लीड रोल निभाया था।

'रांझणा'

आनंद एल. राय की इंटेंस लव स्टोरी 'रांझणा' साल 2013 में सिनेमाघरों में आई थी। इस फिल्म के साथ धनुष ने बॉलीवुड डेब्यू किया था। लेकिन पहले ये फिल्म शाहिद को ऑफर हुई, मगर व्यस्त होने की वजह से उन्होंने इसे रिजेक्ट कर दिया। यह फिल्म दर्शकों की फेवरेट बनी और बॉक्स-ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई।

इसके अलावा, सिद्धार्थ आनंद की एक्शन रोमांस फिल्म 'बैंग बैंग', पुनीत मल्होत्रा की रोमांटिक कॉमेडी 'गोरी तेरे प्यार में', 'वन्स अपॉन ए टाइम इन मुंबई दोबारा', 'बेशर्म' जैसी फिल्में भी पहले शाहिद को ऑफर हुई थीं। लेकिन शाहिद ने उन्हें मना कर दिया।

'ओ रोमियो' में गैगस्टर लुक में नजर आए शाहिद

शाहिद कपूर की फिल्म 'ओ रोमियो' फिलहाल सिनेमाघरों में लगी हुई है। ये फिल्म 13 फरवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म को लोगों से खासा प्यार मिल रहा है। इसमें शाहिद कपूर का किरदार मुंबई के गैगस्टर हुसैन उस्तरा से प्रेरित बताया जा रहा है। उनके साथ तृप्ति डिमरी फिल्म में हैं, जो रानी के रोल में हैं। इनके अलावा फिल्म में नाना पाटेकर, दिशा पटानी, अविनाश तिवारी और फरीदा जलाल भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com